Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 149 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 30 नवम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जहां परिग्रह है वहां धर्म नहीं, जहां आसक्ति है वहां धर्म नहीं।

Where there are accumulation of wealth and attachment to passions, there is no religion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

देश में हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की तैयारी, इन 2 शहरों के बीच होगा ट्रायल रन

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे ने हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन लॉन्च करने की तैयारी में है। यह अत्याधुनिक ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशनों के बीच जल्द ही ट्रायल रन के लिए दौड़ेगी। इस हाइड्रोजन ट्रेन का डिजाइन रेलवे की शोध, डिजाइन और मानक संगठन (RDSO) द्वारा विकसित किया गया है। डिजाइन को दिसंबर 2021 में अंतिम रूप दिया गया था। इस ट्रेन का अंतिम ट्रायल अगले साल की पहली तिमाही में होने की संभावना है। एक की रिपोर्ट के मुताबिक, आरडीएसओ के महानिदेशक उदय बोरवंकर ने कहा, आरडीएसओ लगातार नए और अभिनव प्रोजेक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करता है।

उत्तर प्रदेश : संभल हिंसा की न्यायिक जांच के आदेश

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने संभल में पिछले दिनों हुई हिंसा की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। राज्य के गृह विभाग के आदेश के अनुसार, हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज देवेंद्र कुमार अरोड़ा की अध्यक्षता में तीन सदस्यी समिति को मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। समिति के दो अन्य सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद और पूर्व आईपीएस अधिकारी अरविंद कुमार जैन हैं। समिति को दो महीने के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का कड़ाई से हो पालन : सीएम विष्णुदेव साय

- मुख्यमंत्री ने कहा- यातायात नियमों के पालन के लिए जनजागरूकता अभियान का प्रभावी ढंग से हो क्रियान्वयन
- सड़कों पर ब्लैक स्पॉट के सुधार कार्य में तेजी लाएं, निर्माणाधीन ट्रामा स्टेब्लाईजेशन यूनिट्स का कार्य जल्द पूर्ण करें

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में प्रदेश के सड़क सुरक्षा परिदृश्य, सड़क दुर्घटना के नियंत्रण के उपायों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने बैठक में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के लिए दुपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों के लिए सीट बेल्ट के उपयोग तथा वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए जनजागरूकता अभियान को प्रभावी ढंग से चलाया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों पर ब्लैक स्पॉट के सुधार कार्य में तेजी लाने, जिला सड़क सुरक्षा समिति की नियमित बैठकें आयोजित करने, सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों के इलाज के लिए निर्माणाधीन ट्रामा स्टेब्लाईजेशन यूनिट्स का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में परिवहन विभाग द्वारा तैयार कराया गया ''बस संगवारी एप'' लांच किया और परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा पर प्रकाशित पोस्टर का विमोचन किया।

बैठक में जानकारी दी गई कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य के स्कूलों में कक्षा पहली से लेकर दसवीं तक के राज्य शैक्षणिक अनुसंधान परिषद की पाठ्यपुस्तकों में सड़क यातायात नियमों से संबंधित अध्याय पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। बैठक में बताया गया कि यातायात व्यवस्था का इलेक्ट्रॉनिक सर्विलेंस रायपुर, बिलासपुर और नवा रायपुर में किया जा रहा है। भिलाई और दुर्ग में यह व्यवस्था आंशिक रूप से संचालित है। सितंबर 2023 से अक्टूबर 2024 तक 101 ब्लैक स्पॉट और 748 जंक्शन के सुधार कार्य पूर्ण किए गए हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करने पर सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु की संभावना 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है।

अधिकारियों ने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर परिवहन विभाग द्वारा 6 लाख 70 हजार से अधिक तथा पुलिस विभाग द्वारा 4 लाख 87 हजार से अधिक चालानी कार्यवाही की गई है। 01 जनवरी 2023 से 31 अक्टूबर 2024 तक 7826 वाहन चालकों का लायसेंस निलंबित किया गया है। -शेष पेज 5 पर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 'बस संगवारी एप' लॉन्च किया

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में सुशासन की अवधारणा पर अमल करते हुए यात्रियों की यात्रा को सुगम और सरल बनाने के लिए 'बस संगवारी एप' लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बस संगवारी एप बस यात्रियों, विशेष रूप से दूरस्थ अंचलों के यात्रियों के लिए काफी सुविधाजनक होगा। निकट भविष्य में इस एप के माध्यम से अंतर्राज्यीय बसों के परिवहन और बसों के रियल टाइम ट्रेकिंग की सुविधा भी उपलब्ध होगी। अभी यात्रियों को बस की टाइमिंग पता करने के लिए बस स्टैण्ड या बस स्टॉप पर जाना पड़ता है। लोगों की इस परेशानी का समाधान इस एप के जरिए मिल सकेगा। परिवहन विभाग के सचिव एस. प्रकाश ने बस संगवारी एप के संचालन के बारे में मुख्यमंत्री श्री साय को विस्तार से जानकारी दी। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा तैयार कराए गए इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकेगा। इस एप के माध्यम से यात्रियों के लिए सार्वजनिक परिवहन सुविधाजनक होगा। इस एप में वर्तमान में 5 हजार से अधिक बसों को शामिल किया गया है, जो विभिन्न रूट में संचालित हैं। जल्द ही अंतर्राज्यीय बसों के संचालन की जानकारी भी इस एप के माध्यम से मिल सकेगी। बसों में जीपीएस सिस्टम लगाया जा रहा है। बस संगवारी एप को जीपीएस के साथ एकीकृत किया जा रहा है, जिससे बसों की लाइव ट्रेकिंग भी की जा सकेगी।

छत्तीसगढ़ में बस यात्रियों को घर बैठे मिलेगी बस की समय सारणी और बस रूट की जानकारी

राज्यसभा फिर स्थगित : इस्कॉन के पुजारी की गिरफ्तारी, मणिपुर और संभल पर चर्चा की मांग

नई दिल्ली (आरएनएस)। राज्यसभा में शुक्रवार को भी हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने मणिपुर में कानून व्यवस्था पर चर्चा करने की मांग की। कई सांसद संभल में हुए उपद्रव और उसके बाद उत्पन्न कानून व्यवस्था पर चर्चा चाहते थे। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर चर्चा कराने की मांग भी राज्यसभा में की गई। विपक्षी सांसद चाहते थे कि नियम 267 के अंतर्गत यह बहस कराई जाएं, लेकिन सभापति की ओर से इसकी स्वीकृति प्रदान नहीं की गई। इसके बाद सदन में काफी हंगामा हुआ और कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

गौरतलब है सोमवार को संसद का शीतकालीन सत्र प्रारंभ हुआ था। मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। उस कार्यक्रम के अलावा अब तक चार दिनों में एक दिन भी सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी है। शुक्रवार को चर्चा के लिए विपक्ष के 17 सदस्यों ने नोटिस दिया था।

सभापति जगदीप धनखड़ ने इस संबंध में बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत चर्चा के लिए 17 नोटिस दिए गए हैं। रामजीलाल सुमन, डॉ जॉन बिटास, एए रहीम व बी शिवादासन आदि सांसद संभल में हुई हिंसा और कानून व्यवस्था की स्थिति पर राज्यसभा में चर्चा चाहते थे। वहीं विपक्ष के तिरुचि शिवा, संतोष कुमार पी आदि सांसद मणिपुर में कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की मांग कर रहे थे। आम आदमी पार्टी के एक सांसद ने दिल्ली में बढ़ते अपराध को लेकर चर्चा की मांग सभापति के समक्ष रखी। आम आदमी पार्टी के ही सांसद राघव चड्ढा ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर के पुजारी की गिरफ्तारी पर चर्चा की मांग की।

विपक्ष के सांसद चाहते थे कि नियम 267 के तहत यह चर्चा हो। नियम 267 के तहत चर्चा होने पर सदन की अन्य सभी कार्यवाहियों को स्थगित कर दिया जाता है। इसके साथ ही इस नियम में चर्चा के बाद वोटिंग का प्रावधान भी है। हालांकि सभापति ने इसकी अनुमति प्रदान नहीं की। इससे नाराज विपक्षी सांसदों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया। चर्चा कराए जाने की मांग को लेकर विपक्षी सांसद अपने स्थान पर खड़े हो गए और अपनी मांग दोहराने लगे।

पीएम मोदी ने गोंदिया सड़क हादसे पर जताया दुख, आर्थिक मदद का किया ऐलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। साथ ही उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों और घायलों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की है। हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। पीएम मोदी ने बताया कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की हरसंभव सहायता कर रहा है।

गोंदिया में शुक्रवार को भीषण सड़क हादसे में एक बस पलट जाने के कारण 9 लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह हादसा गोंदिया-कोहमारा राज्य महामार्ग पर ग्राम खजरी के पास हुआ।

मुख्यमंत्री से केन्द्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज शाम उनके निवास में छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए केन्द्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री सोमन्ना का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह व शॉल भेंट की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री श्री सोमन्ना से राज्य में रेल परियोजनाओं के विकास सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव द्वय श्री पी. दयानंद और डॉ. बसवराजु एस, मंडल रेल प्रबंधक रायपुर श्री संजीव कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने मीडिया के सदस्यों की चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना के रायपुर से कोरबा दौरे के पूर्व रायपुर रेलवे स्टेशन पर उन्होंने मीडिया के सदस्यों से स्टेशन री डेवलपमेंट सहित रेल के विकासात्मक कार्यों पर चर्चा की इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी सहित रायपुर मंडल के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बिरसा मुंडा के वशंज मंगल मुंडा का निधन, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक

नई दिल्ली (आरएनएस)। आदिवासी नेता बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा का शुक्रवार को रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) में रात करीब साढ़े 12 बजे हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वह एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। मंगल मुंडा के निधन पर पीएम मोदी ने शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भगवान बिरसा मुंडा जी के वंशज मंगल मुंडा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनका जाना उनके परिवार के साथ ही झारखंड के जनजातीय समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को संबल प्रदान करे। बिरसा मुंडा के अनुयायी झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने एक्स पोस्ट में लिखा, रिम्स में इलाजरत भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के निधन की खबर से अत्यंत दुखी हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज से 1 दिसंबर 2025 तक भुवनेश्वर में पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के अखिल भारतीय सम्मेलन में लेंगे भाग

आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद, तटीय सुरक्षा सहित राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी

दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 30 नवंबर से 1 दिसंबर, 2024 तक ओडिशा के भुवनेश्वर में लोक सेवा भवन के राज्य कन्वेंशन सेंटर में पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के अखिल भारतीय सम्मेलन 2024 में भाग लेंगे।

29 नवंबर से 1 दिसंबर, 2024 तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण घटकों पर विचार-विमर्श किया जाएगा, जिसमें आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद, तटीय सुरक्षा, नए आपराधिक कानून, नारकोटिक्स आदि शामिल हैं। सम्मेलन के दौरान विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक भी प्रदान किया जाएगा।

यह सम्मेलन देश के वरिष्ठ पुलिस पेशेवरों और सुरक्षा प्रशासकों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विविध मुद्दों पर स्वतंत्र रूप से चर्चा और अपनी प्रतिक्रिया व्य क्त करने के लिए एक संवादात्मक मंच प्रदान करेगा, साथ ही भारत में पुलिस के सामने आने वाली विभिन्न परिचालन, अवसंरचना और कल्याण संबंधी समस्याओं पर भी चर्चा होगी। विचार-विमर्श में आंतरिक सुरक्षा खतरों के अलावा अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था प्रबंधन से संबंधित चुनौतियों से निपटने में पेशेवर कार्यप्रणालियों और प्रक्रिया निर्माण और साझाकरण भी शामिल होगा।

प्रधानमंत्री सदैव डीजीपी सम्मेलन में शामिल होने के इच्छुक रहे हैं। प्रधानमंत्री न केवल सभी के योगदानों को ध्यान से सुनते हैं, बल्कि स्वरतंत्र और अनौपचारिक चर्चाओं के वातावरण के पक्ष में रहते हैं, जिससे नए विचारों का उदय होता है। इस वर्ष, सम्मेलन में कुछ विशिष्ट विशेषताएं भी शामिल की गई हैं। योग सत्र, व्यावसायिक सत्र, ब्रेक-आउट सत्र और विषयगत व्यिंजन तालिकाओं से प्रारंभ होकर पूरे दिन का सकारात्मयक रूप से उपयोग किया जाएगा। इससे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को देश को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण पुलिस और आंतरिक सुरक्षा मामलों पर अपने दृष्टिकोण और सुझाव प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुत करने का एक मूल्यवान अवसर प्राप्त होगा।

प्रधानमंत्री ने 2014 से पूरे देश में वार्षिक डीजीएसपी/ आईजीएसपी सम्मेलन के आयोजन की प्रेरणा दी है। यह सम्मेलन गुवाहाटी (असम), कच्छ के रण (गुजरात), हैदराबाद (तेलंगाना), टेकनपुर (ग्वालियर, मध्य प्रदेश), स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (केवड़िया, गुजरात), पुणे (महाराष्ट्र), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), नई दिल्ली और जयपुर (राजस्थान) में आयोजित किया जा चुका है। इस परंपरा को जारी रखते हुए, 59वें डीजीएसपी/आईजीएसपी सम्मेलन 2024 का आयोजन इस बार भुवनेश्वर (ओडिशा) में किया जा रहा है।

सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, गृह राज्य मंत्री, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के डीजीपी और केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे।

उत्तरप्रदेश उपचुनाव में भाजपा और आरएलडी के 7 सदस्यों ने विधानसभा में ली शपथ, मोदी-योगी के नेतृत्व पर जताई निष्ठा

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और प्रभावी रणनीति के चलते उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल ने उपचुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 में से 7 सीटों पर जीत हासिल की। इसके बाद शुक्रवार को विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सभी विजयी उम्मीदवारों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे प्रदेश के विकास और जनता की आस्था की जीत बताया। जिन नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली उनमें कुंदरकी से रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र सिंह, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और मीरापुर से रालोद की मिथलेश पाल शामिल हैं। इन सभी उम्मीदवारों ने जनता के विश्वास और समर्थन का धन्यवाद करते हुए अपने क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने की बात कही। सभी ने एक स्वर में राष्ट्र प्रथम के संकल्प को दोहराया, साथ ही मोदी-योगी के नेतृत्व के प्रति अपनी निष्ठा जताई।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नवनिर्वाचित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य होना गौरव की बात है। जनता की सेवा का अवसर आपको मिला है। मुख्यमंत्री के कार्यों को लेकर अगर जनता के बीच में जाएं तो हर बार जीत आपको मिलेगी। आपके पास ढाई साल का समय है, उसे जनता के बीच ज्यादा से ज्यादा व्यतीत करें। इसके साथ ही आपकी उपस्थिति विधानसभा में भी दिखनी चाहिए। यहां आपकी परफॉर्मेंस ही जनता के बीच आपकी सक्रियता के संदेश के रूप में जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना सहित कई विधायक मौजूद रहे। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विकास और पारदर्शी प्रशासन पर जोर दिया गया है। उनकी सरकार की जनहितकारी योजनाओं जैसे उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व सड़क परियोजनाओं ने लोगों का विश्वास मजबूत किया है। इसके अलावा, प्रदेश में अपराध नियंत्रण और धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार जैसे कदमों ने योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता को और बढ़ावा दिया है।

प्रदेश में सर्दी का असर तेज, सरगुजा में शीतलहर के हालात

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ में न्यूनतम पारा ठहर गया है। सरगुजा संभाग को छोड़कर अन्य जगहों पर तापमान में कमी नहीं हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों के बाद तापमान में दो से तीन डिग्री की वृद्धि हो सकती है। सरगुजा में न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। बलरामपुर में न्यूनतम पारा 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। उत्तर छत्तीसगढ़ में शीतलहर जैसी स्थिति बनी हुई है। मैदानी इलाकों की बात करें तो दुर्ग का पारा गिर कर 11 डिग्री के करीब पहुंच गया। माना में 12 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। रायपुर में न्यूनतम तापमान 14.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार नारायणपुर में न्यूनतम तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस, बस्तर में 12.8 डिग्री सेल्सियस, दंतेवाड़ा में 11.9 डिग्री सेल्सियस, बीजापुर में 13.3 डिग्री और सुकमा में 14.8 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 सर्वेक्षण : डिप्टी सीएम साव ने दस्तावेजों की पूर्ति के लिए हितग्राहियों को समय देने के दिए निर्देश

अरुण साव ने कहा- हर हाल में पहुंचाएं अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक योजना का लाभ

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के लिए वर्तमान में जारी सर्वेक्षण के दौरान ऐसे पात्र नागरिकों जिनके पास आवश्यक दस्तावेज नहीं है, उनके आवेदन तत्काल निरस्त नहीं करते हुए उन्हें दस्तावेजों के लिए समय प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगरीय निकायों को हितग्राहियों के जाति प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र जैसे अनिवार्य दस्तावेजों के लिए संबंधित राजस्व कार्यालय से व्यक्तिगत समन्वय स्थापित करने के भी निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव के निर्देश पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के हितग्राहियों के राजस्व कार्यालयों में लंबित जाति प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करने के लिए राजस्व विभाग को पत्र प्रेषित किया है।

केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शहरी क्षेत्रों में सबके लिए आवास मिशन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 (पीएमएवाई-यू 2.0) का क्रियान्वयन 1 सितम्बर 2024 से किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में योजना को सभी नगरीय निकायों में लागू करते हुए भारत सरकार के यूनिफाइड वेब पोर्टल पर हितग्राही सर्वेक्षण कार्य 15 नवम्बर से प्रारंभ कर दिया गया है। सर्वेक्षण के दौरान हितग्राहियों की जानकारी भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज की जा रही है। इसके लिए हितग्राही परिवार का आधार कार्ड, बैंक खाता, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, भूमि के दस्तावेज इत्यादि की प्रविष्टि भारत सरकार द्वारा अनिवार्य की गई है। अरुण साव को कुछ हितग्राहियों के माध्यम से यह पता चलने पर कि वांछित दस्तावेजों में से मुख्यत: राजस्व संबंधी दस्तावेजों की कमी के कारण पोर्टल पर हितग्राहियों की जानकारी दर्ज नहीं हो पा रही है, श्री साव ने हितग्राहियों की असुविधा को देखते हुए और योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा परिवारों तक पहुंचाने के लिए सहानुभूतिपूर्वक कार्यवाही करते हुए सभी नगरीय निकायों को तत्काल निर्देश जारी किए हैं। श्री साव ने हितग्राहियों के जाति प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र जैसे अनिवार्य दस्तावेजों के लिए संबंधित राजस्व कार्यालय से व्यक्तिगत समन्वय स्थापित करने के भी निर्देश नगरीय निकायों को दिए हैं,

नाम परिवर्तन की सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **दीपक हनुमंत राव अड्यालकर पिता स्व. हनुमंत अड्यालकर, मूल निवासी वर्धा, जिला- वर्धा** ने अपना पुराना **नाम दीपक हनुमंत राव अड्यालकर** को त्यागकर **नया नाम दीपक हनुमंत अड्यालकर पिता स्व. हनुमंत अड्यालकर** रख लिया था।

अतः आज से उन्हें समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय एवं अन्य दस्तावेजों में नये **नाम दीपक हनुमंत अड्यालकर पिता स्व. हनुमंत अड्यालकर** नाम से ही जाना जाए।

कल्पना दीपक अड्यालकर
प्लॉट नं. 114, शिवाजी चौक, केलकरवाड़ी, आर्वी, वर्धा
पिन. 442001

आईटीआई भाटापारा में नई दिशा अभियान का हुआ आयोजन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक सोनी के निर्देश पर नशा से बचने हेतु नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत नई दिशा कार्यक्रम प्रति सप्ताह जागरूकता शिविरों का आयोजन स्कूल, कॉलेज, ग्राम पंचायतों में किया जा रहा है। इसी तारतम्य में आईटीआई भाटापारा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 111 छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

उप संचालक समाज कल्याण अरविंद गेड़ाम ने बताया कि नशा एक व्यक्ति करता है और बरबाद उसका पुरा परिवार हो जाता है। अगर नशे की लत से छुटकारा पाना है तो एक दृढ़ संकल्प लेकर अथवा एक सकारात्मक सोच लेकर नशे को छोड़ना पड़ेगा इस हेतु समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नशामुक्ति केन्द्र भी सहयोग करता है। नशामुक्ति केन्द्र में मनोचिकित्सक उपलब्ध है, दवाईया भी दी जाती है एवं सकारात्मक सोच को अपने मन में रखकर नशे को जिन्दगी से विदा देना है, अन्यथा इस नशे की लत हमें जिन्दगी से विदा कर देगी। सरकार इन पीड़ित को नशे के चुंगल से छुड़ाने के लिए नशा मुक्ति अभियान चलाती है, शराब और गुटखें पर रोक लगानें के प्रयास करती है। नशा एक ऐसी बिमारी है जो समाज को खोखला करती है एंव इससे कई परिवार नष्ट हो रहे है, इसलिए नशे से दुर रहे। नशा मुक्त भारत अभियान, मानसिक स्वास्थ्य एवं महिला उत्पीड़न के बारे में बताया गया साथ ही साथ नशामुक्ति हेतु संकल्प भी लिया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बलौदा बाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

Tel. No. 07727-223138 E-mail: caulodabazar@rediffmail.com & cmobalodabazar@ymail.com

क्रमांक / 1682 / लो.नि.वि./नपा2024 — बलौदाबाजार, दिनांक 28.11.2024

!! रूचि की अभिव्यक्ति !!

नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार, क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्र. 06 में पिपराहा तालाब जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराया जाना है। उक्त कार्य हेतु ईच्छुक पंजीकृत एजेंसी/ठेकेदार से रूचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई.) प्रस्ताव बंद लिफाफे में स्पीड पोस्ट के माध्यम से निम्नानुसार आमंत्रित किया जाता है :-

क्र.	कार्य का विवरण	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि (रु. में)	समयावधि
01.	वार्ड क्र. 06 में पिपराहा तालाब जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य।	09.61	7500.00	कार्यादेश से 30 दिवस

दिनांक 13.12.2024 को कार्यालयीन समयावधि तक संस्था के पूर्ण विवरण एवं कार्य के लिए निर्धारित अमानत राशि 7500.00 रू. एफ.डी.आर. के रूप में (जो कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार के नाम से देय हो) सहित आमंत्रित की जाती है। प्राप्त ई.ओ.आई. प्रस्ताव दिनांक 13.12.2024 को शाम 04:00 बजे खोली जावेगी।

नोट :- ई.ओ.आई. प्रस्ताव से संबंधित नियम शर्त एवं अन्य जानकारी नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार के जल विभाग शाखा से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार

नाम परिवर्तन की सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **निधि अड्यालकर पिता स्व. दीपक हनुमंत अड्यालकर निवासी मकान नं. 39/533 नयापारा, फूल चौक, जिला रायपुर पिन. 492001** यह शपथ करती हूं कि मैंने अपना पुराना नाम **निधि अड्यालकर** को त्यागकर नया **नाम निधि मिश्रा पिता स्व. दीपक हनुमंत अड्यालकर** रख ली हूं।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय एवं अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम **निधि मिश्रा पिता स्व. दीपक हनुमंत अड्यालकर** नाम से ही जाना जाए।

निधि मिश्रा
मकान नं. 39/533 नयापारा
फूल चौक, जिला रायपुर
(छत्तीसगढ़) पिन. 492001

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड दुर्ग
आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि परियोजना संभाग, छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमि., दुर्ग के अन्तर्गत जिला-बालोद में आर.डी.एस.एस. योजना के अंतर्गत पूर्ण किये गये 11 के.व्ही. फीडर का विस्तार कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिसे दिनांक 30.11.2024 को या उसके पश्चात् कभी भी उर्जीकृत किया जा सकता है, अतः लाईनों में लगे हुए खंभे, स्टे एवं तार आदि पर चढ़ने अथवा छूने का प्रयास न करें, इससे घातक दुर्घटना हो सकती हैं, जिसके लिए छ.स्टे.पॉ.डि.कं. लिमि. उत्तरदायी नहीं होगा। विवरण इस प्रकार हैं-

क्रमांक	11 के.व्ही. फीडर का नाम	प्रभावित ग्रामों का नाम
1.	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र - मरकाटोला से 11 के.व्ही. बड़हुम पम्प फीडर 18.50 कि.मी.	मरकाटोला, बड़हुम, पेटेचुआ, कंकालीन भेजा
2.	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र-भर्रीटोला से 11 के.व्ही. भर्रीटोला पम्प फीडर 0.225 कि.मी.	भर्रीटोला एवं भर्रीटोला बस्ती
3.	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र-सांकरा से 11 के.व्ही. सांकरा पम्प फीडर 0.840 कि.मी.	सांकारा एवं सांकरा बस्ती

विद्युत की बचत कीजिए

(डी. के. भारती)
(9370387)
कार्यपालन अभियंता (परियोजना)
संभाग, छ.स्टे.पॉ.डि.कं. लिमि., दुर्ग

SAMVAD- 42248/ 3

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16099/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 29-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16099
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **01** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801O00206** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BALJIT SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DAYAL SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RANJEETA KAUR SAINI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DILBAG SINGH SAINI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, जोन क्र. 06, रायपुर (छ.ग.)
-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक 58/न.पा.नि./जोन क्रमांक - 06/2024-25 — रायपुर दिनांक 26/11/2024

प्रेशनर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 00 द्वारा निम्न कार्य हेतु निर्धारित SOR (निविदा दिनांक तक संशोधित) पर लोक कर्म विभाग से पंजीकृत ठेकेदारों से निनिस्ट्रेशन की एवं उससे ऊपपुर जोन क्रमांक 0 में निविदा प्रपत्र) सील बंद

(1) कार्य सरल प्रतिया पृथक-पृथक आमंत्रित की जाती है। प्रपत्र प्राप्त करने हेतु दिनांक 09/12/2024 तक निर्धारित राशि सहित आवेदन क अवधि में जगा किया पजल के प्रथम निविदा कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्त विदा आवश्यक दस्तावेज दिनांक 17/12/2074 को सुबह साँक / स्पीड पोस्ट के माध्यान निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा पहिला अनिवार्य है। प्राप्त निविदायें दिनांक 19/12/2024 को सुबह 11:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा समक्ष खोली-जावेगी।

(2) कार्य सरल कारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समय खोली जाने गीतु दिनांक 04/12/2024 तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयील अवधि में जमा किया सरल क्र. 2 के द्वितीय निविदा कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्पा करने हेतु निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज दिनाँक 11/12/2024 क डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय प्रांत होना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाये दिनाँक 12/12/2024 को सुबह 11:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली-जावेगी। निविदा आमंत्रित कार्य का विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा का प्रकार	मद का नाम	अगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	एस.ओ.आर.	समय अवधि
1	श. राजीव पाण्डेय वार्ड क्र. . 62 अंतर्गत सतनामी पारा में 2 अधूरे सामुदायिक भवन को पूर्ण करने का कार्य।	प्रथम	पार्षद निधि	6.00	6000.00	750.00	PWD Bulding SOR 01.01.2015	3 माह
2	महामाया मंदिर वार्ड क्र.. 65 अंतर्गत मठपारा, महामाई पारा एवं कुकरी पारा एवं अन्य क्षेत्र में सी.सी.नाली एवं सड़क मरम्मत कार्य।	द्वितीय	सामान्य मद	9.97	7500.00	750.00	PWD Building SOR 01.01.2015	2 माह

- कार्य के निविदा हेतु संलग्न की जाने वाली आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है :-

लिफाफा "अ" में
(1) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय अमानती राशि का एफ.डी.आर (निविदा खोलने तिथि तक वैद्य होना चाहिए) मूलप्रति।
(2) प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यता एवं काली सूची में न होने बाबत् शपथ पत्र संलग्न करें। (3) फर्म/एजेंसी के नाम का वैद्य पंजीयन की प्रति
(4) बैंक साल्वेंसी की प्रति (5) जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति (6) 3 वर्षो का ढ्ढञ्ज्रएवं निविदा तिथि से 3 माह पूर्व का ल्ल्ड्ढञ्ज्रकी प्रति।

लिफाफा "ब" में :-
(1) निविदा प्रपत्र

शर्तेः- (1) उक्त लिफाफे रजिस्टर्ड डॉक/स्पीड़ पोस्ट से स्वीकार की जायेगी। (2) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तिथि में अवकाश होने पर आगामी तिथि को प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा जमा करने एवं खोलने के तिथि में अवकाश हो जाने पर आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य संपादित की जावेगी। (3) ठेकेदार/फर्म एवं संस्था के द्वारा अंतिम भुगतान से पूर्व जी.एस.टी. विभाग से बकाया न होने संबंधी प्रमाण पत्र (Ta& Clearance Certificate) अथवा पूर्ण देव कर जमा किए जाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा।

जोन कमिश्नर जीन क्रमांक 06 नगर पालिक निगम, रायपुर

घरों से निकलने वाले गिला एवं सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक - 08
नगर पालिक निगम, रायपुर

AUCTION NOTICE — IndusInd Bank Ltd.

Bids are invited to Sale below mentioned vehicle as on where is basis, for inspection interested person may contact to respective person on given contact no as below. Through the present notice we hereby once again call upon the borrower & Co-borrower concerned for clear their dues on or before **06.12.2024**, else we shall be constrained to sell off the vehicle and loss if any shall be recovered from them.

Branch Name	Deal No.	Customer	Vehicle Model	Reg. No.	Chassis No.	Engine No.	Yard Name	Contact Person
BILASPUR	FRB00810G	ANIL KUMAR PORTE/ MOHITRAM PORTE	APE AUTO DX BS VI	CG10 BJ9364	MBX0006FF1 E179530	S2D920 5277	JAIN CAMPUS YARD, BILASPUR	RAVI SINGH CHAUHAN, MOB NO. 7000827278
AMBIKAPUR	FRC00621G	VIR SINGH/URMILA SINGH	APE AUTO DX BS VI	CG29 AE9334	MBX0006FF ZB090540	S1B915 3906	MAHAMAYA YARD AMBIKAPUR	KARMVEER SINGH, MOB NO. 9644370009

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./16038/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 29-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16038
वार्ड का नाम- 15 - ने. कन्हैयालाल बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **15** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108D00324** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JYOTI AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NILESH AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री प्रमोद सिंह राजपूत** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री मगन सिंह राजपूत** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./15783/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 29-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15783
वार्ड का नाम- 18 - बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **18** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110D00039** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BRIJ BHAN SIKANDAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PUSHPA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BRIJ BHAN SIKANDAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./16017/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 29-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16017
वार्ड का नाम- 17 - ठक्कर बाप्पा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **17** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109D00515** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANITA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHAMHAN YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **तोषी काशीकर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **अशोक कुमार हेडउ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./15872/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 29-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15872
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **16** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107J00016** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BIKODAR PRASAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. **लक्ष्मी नारायण गोयल 2. चंद्रभान 3. सूरज कुमार 4. परदेशी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री बीकोदर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **...**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./16016/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 29-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16016
वार्ड का नाम- 15 - ने कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **15** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108C00279** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BIHARI LAL VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BALIRAM VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. अशोक कुमार निषादराज 2 अलका निषादराज** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. मोतीराम निषादराज 2 अशोक कुमार निषादराज** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./15941/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 28-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15941
वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **12** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225D00247** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SITA BAI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O GULAB SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री पवन सिंह - पिता स्व. श्री गुलाब सिंह** पिता/पति श्री/श्रीमती **2. श्री अरविंद सिंह ठाकुर - पिता स्व. श्री गुलाब सिंह** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./15995/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 29-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15995
वार्ड का नाम- 15 - ने. कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **15** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108B00244** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANGEETA PANDIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDRESH PANDIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मादाराम चौधरी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **कमाराम जी चौधरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /15979/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 27-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15979
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568B00667** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NAND KUMAR SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. RAM DULAR SHUKLA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BELA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GOVIND RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./15501/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 27-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15501
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **30** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR332A0142B** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DR. KISHOR KUMAR BHOJWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **MITERO MAL BHOJWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री राजीव अग्रवाल** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता श्री स्व. बिमल कुमार अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दूबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 561 दिनांक 29.11.2024
वार्ड का नाम- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड
वार्ड क्र. 02 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **02** मांग **पंजी क्र. 8 युआईडी 10809** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **रामलाल देवांगन / बैसाखु राम देवांगन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **1. रामस्वरूप / स्व. रामलाल/2.नरूपलाल/स्व. रामलाल 3. रामभरोसा देवांगन / स्व. रामलाल 4 राम प्यारी देवांगन / स्व. रामलाल** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-12-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 562 दिनांक 29.11.2024
वार्ड का नाम- हरी ठाकुर वार्ड
वार्ड क्र. 08 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **08** मांग **पंजी क्र. 259 युआईडी 13402** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **पुनुराम साहू / पतिराम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **धान बाई / स्व. चुनु राम साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-12-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 563 दिनांक 29.11.2024
वार्ड का नाम- गुरू घासीदास वार्ड
वार्ड क्र. 01 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **01** मांग **पंजी क्र. 758 युआईडी 10764** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **नारायण देवांगन, अश्वनी देवांगन, लेखराम / गया राम देवांगन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **नारायण देवांगन / गयाराम देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **29-12-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./15903/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 27-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15903
वार्ड का नाम-10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **10** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227I00019** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANDHYA BINDAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O ASHOK BINDAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री धरमू चंद अग्रवाल** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - श्री नेमी चंद अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./15904/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 27-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15904
वार्ड का नाम-10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **10** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227I00122** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANTOSH BAID S/O GAUTAMCHAND BAID, SHOBHANA BAID W/O SANTOSH BAID** पिता/पति श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती रानीबाई अग्रवाल** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति - श्री दीपक अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./16002/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 27-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16002
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **30** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331B00027** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MEMORANI JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SUBHASH CHAND JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री मुकेश गोयल** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - श्री धरमचंद गोयल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16116/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 29-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16116
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **02** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801T0328L** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARMIT SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BALBIR SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NILOFAR SAYED MUJEEB ALI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SAYED MUJEEB ALI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 30 नवंबर 2024

सूरजपुर जिला के चर्चित नटवर लाल के नाम से जाने जाने वाला पिता पुत्र गिरफ्तार

रकम डबल करने के नाम पर करता था धोखा धड़ी

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) पिछले 8 अक्टूबर को स्थानीय केतका रोड़ निवासी विशाल गुप्ता ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि माह 6/24 में असफाक उल्ला के द्वारा रकम 35 दिन में डबल करने का झांसा दिया जिसके बहकावे में आकर उसे 10 लाख रूपये आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर किया जिसके एवज में असफाक के द्वारा 10 लाख रूपये का चेक दिया गया। काफी समय बीतने के बाद भी असफाक के द्वारा पैसा वापस न कर टालमटोल करने पर प्रार्थी के द्वारा इसकी रिपोर्ट थाना सूरजपुर में करने पर दिनांक 08/10/2024 को आरोपी असफाक उल्ला, उसका पिता जरीफ उल्ला और जीजा के विरूद्ध अपराध क्र. 558/24 धारा 420, 506, 34 भादवि के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

वहीं दूसरे मामले में दिनांक 28 नवम्बर 2024 को मानपुर निवासी मोहम्मद अल्ताफ ने थाना सूरजपर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 15.05.24 से 23.05.24 के बीच ग्राम सोनपुर का असफाक उल्लाह, जरीफ उल्लाह व अन्य 5 लोगों के द्वारा 52 दिनों में पैसा डबल करने के नाम पर 10 लाख रूपये का धोखाधड़ी किए है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 650/24 धारा 420, 506, 34 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

वहीं तीसरे मामले में मानपुर सूरजपुर निवासी फरहत नाज ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 20/02/2024 को ग्राम सोनपुर का असफाक उल्लाह, जरिफ उल्लाह व उसका जीजा के द्वारा 60 दिनों में पैसा डबल करने के नाम पर कुल 54 लाख रूपये का धोखाधड़ी किए है। प्रार्थियां की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 651/24 धारा 420, 506, 34 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

आमजनता के लाखों की धनराशि लेकर धोखाधड़ी करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीम गठित कर लगाया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में गठित पुलिस टीम के द्वारा नई तकनीक की मदद व प्राप्त मुखबीर सूचना के आधार पर आरोपी असफाक उल्ला व उसके पिता जरीफ उल्ला को पकड़ा गया। दोनों आरोपियों के द्वारा वारदात को अंजाम देना पाए जाने पर उक्त तीनों प्रकरणों में आरोपी असफाक उल्ला पिता जरीफउल्ला उम्र 23 वर्ष एवं जरीफ उल्ला अंसारी पिता अब्दुल रहीम उम्र 53 वर्ष ग्राम सानपुर, चौकी बसदेई को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया और आरोपी असफाक उल्लाह का 05 दिनों का पुलिस रिमाण्ड लिया गया है और आगे की विवेचना की जा रही है। आरोपी के विरूद्ध थाना अम्बिकापुर में भी अपराध पंजीबद्ध होने पर आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी अम्बिकापुर पुलिस को दी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मेसर्स रवि ट्रेडर्स व अमन मित्तल ट्रेडर्स से 67 क्विंटल अवैध संग्रहित धान की ज़ब्ती

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)–कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में एस. डी. एम. सूरजपुर श्रीमती शिवानी जायसवाल के द्वारा राजस्व, खाद्य एवं मंडी की संयुक्त टीम के साथ जिला मुख्यालय के मेसर्स रवि ट्रेडर्स महगवां के भट्ठापारा स्थित गोदाम में अवैध रूप से संग्रहित 115 बोरे धान वजन 46 क्विंटल लगभग तथा मेसर्स अमन मित्तल ट्रेडर्स के गोदाम से 54 बोरे धान वजन 21 क्विंटल लगभग को छ. ग. कृषि उपज मंडी अधिनियम के तहत जब्त किया गया।

भारतीय पत्रकार महासंघ जिला इकाई सूरजपुर ने नवपदस्थ एसडीएम का किया स्वागत

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)–भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ जिला इकाई सूरजपुर ने नवपदस्थ अनुविभागीय अधिकारी शिवानी जायसवाल का स्वागत किया। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के जिला अध्यक्ष मोहन प्रताप सिंह और संभागीय अध्यक्ष सरगुजा राकेश जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष कमलजीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष उदित नारायण ठाकुर, जिला संगठन सचिव सूरज साहू, जिला कोषाध्यक्ष शशि रंजन सिंह, व रामजी साहू के साथ नवपदस्थ एसडीएम का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। सौजन्य भेंट में अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सभी का कुशलक्षेम पूछा व मिलकर सहयोग की भावना से काम करने को कहा। यहां बताना आवश्यक है कि निवर्तमान एसडीम जगन्नाथ वर्मा पदोन्नति पा कर अपर कलेक्टर बने है तब से एसडीएम का पद रिक्त था।

ठेकेदार ने स्टाफऑफिसर सिविल से फिल्टर प्लांट प्रभारी पर प्रताड़ना का लगाया आरोप

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)– एस ई सी एल बिश्रामपुर कि ठेकेदार पीयूष तिवारी ने अरविन्द सिंह (इंचार्ज फ़िल्टर प्लांट) के द्वारा प्रताड़ित एवं जबरन उगाही करने का गंभीर आरोप लगाया है। स्टाफ ऑफ्सिर सिविल बिश्रामपुर को लिखे अपने पत्र में ठेकेदार (पियूष कंस्ट्रक्शन) ने आरोप लगाया है कि मेरा कार्य बिश्रामपुर के फ़िल्टर प्लांट में चल रहा है। पिछले कुछ दिनों से मुझे जबरन अरविन्द सिंह (इंचार्ज फ़िल्टर प्लांट) द्वारा मुझे प्रताड़ित कर रहे है वो लगातार धमकी दे रहे है की में श्रमिक नेता हूँ मैं कुछ भी कर सकता हूँ तुम्हे काली सूचि में डलवा सकता हूँ ,भविष्य खराब कर सकता हूँ। मेरी पहुँच बहुत उपर तक है. ठेकेदार ने आरोप लगाया कि वे कभी उयूटी नहीं आते है हफ्ते में एक बार आकर हाजरी लगाकर चले जाते है। पिछले वर्क आर्डर में भी मेरे से जबरन उगाही किये है नई वर्क आर्डर आने के बाद इनका ये कृत्य अत्यधिक बढ़ गया है उनके द्वारा उगाही किये जाने का सबूत के तौर पर फोन पे का स्क्रीन शॉट में आपके सामने रख रहा हूँ कृपया जांच कर उचित कार्यवाही करें।

पिकअप ने तीन लोगों को रौंदा

महासमुंद(विश्व परिवार)। जिले में एक बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। दरअसल, यहां एक तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसा इतना दर्दनाक था कि मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद अफरातफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, हादसा बसना पुलिस थाना क्षेत्र की है। जहां छुईपाली टोल नाका के पास एक पिकअप वाहन ओवर टेक करने के चक्कर में बाइक सवार को रौंद दिया। जिससे बाइक सवार तीन युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई।

धान विक्रय के 72 घण्टे के अंदर राशि खाते में आ जाने से किसानों की खुशी हो रही दुगुनी

कोरबा(विश्व परिवार)। राज्य शासन किसानों की परिश्रम का फल को समर्थन मूल्य पर खरीद कर उन्हें आर्थिक संबल प्रदान कर रहे है। अन्नदाता भी अपनी उपज का सही दाम पाकर खुशी खुशी धान विक्रय के लिए उपार्जन केंद्र पहुँच रहे है। बड़े ही सरल सहज एवं पारदर्शी तरीके से धान विक्रय हो जाने से किसानो में हर्ष व्याप्त है, साथ ही धान विक्रय के 72 घण्टे के भीतर राशि खाते में आ जाने से किसानों की खुशीदुगुनी हो रही है। छुरीकला उपार्जन केंद्र में अपने 44.80 क्विन्टल धान विक्रय के लिए आए पंडरीपानी के किसान श्री अभय राम भारिया ने बताया की केंद्र में उन्हें धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। बहुत ही आसानी से धान विक्रय हो गया। किसान ने बताया उनके 03 एकड़ की जमीन में खरीफ में धान की फसल ली जाती है। उन्होंने बताया कि किसान 06 माह फसलों की पूरी देख भाल करता है, खेतों की जुताई से लेकर उन्नत किस्म के बीजों का चयन कर उनका खेतों में रोपण करता है। पौधों के बढ़ने के साथ ही फसल की पूरी देखरेख, आवश्यकतानुसार दवाइयों-उर्वरकों का छिड़काव, खरपतवार की छटाई व समय-समय पर सिंचाई की जाती है। फसल के अच्छे उत्पादन के लिए किसान अपना खून-पसीना एक कर देता है, जिससे उसके खेत में फसल लहलहाती है। उन्होंने बताया कि उन्हें केंद्र में अपनी मेहनत की उपज बेचने में किसी प्रकार की कोई समस्या नही हुई। उपार्जन केंद्र में धान लाते ही आसानी से तौलाई हो गई। किसान अभयराम ने बताया कि टोकन तुंहर हाथ ऐप के माध्यम से किसानों को समितियों के चक्कर लगाने से फुर्सत मिली है। अब किसान घर बैठे मोबाइल से ही ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर रहे है। खरीदी केंद्रों में किसानों की सहूलियत की पूरी व्यवस्था की गई है। 21 क्विन्टल प्रति एकड़ व 3100 रुपए प्रति क्विन्टल की दर से धान खरीदी होने से किसानों को उनकी मेहनत का सही मूल्य मिल रहा है। साथ ही 72 घण्टे के भीतर राशि किसान के खाते में आ जाने से किसानों की खुशी और बढ़ गई है। जिससे किसानों को संकटपूर्ण समय में वित्तीय सहायता मिलती है और उन्हें अपना उत्पादन बढ़ाने का प्रोत्साहन मिलता है।

बिना अनुमति जैतखाम उखाडने से बढ़ी नाराजगी ग्रामीण ने दी धरना प्रदर्शन की चेतावनी

कोरबा(विश्व परिवार)। घर पर स्थित जैतखाम को एसईसीएल प्रबंधन एवं कालिंगा कंपनी द्वारा उखाडकर फेके जाने की शिकायत करते हुए कार्यवाही को लेकर कलेक्टर से आग्रह किया गया है।हरदीबाजार निवासी श्याम लाल सतनामी ने बताया कि ग्राम पंचायत अमगांव के जोकाही डबरी मोहल्ले में उसका मकान स्थित था तथा घर के बाहर उसके द्वारा जैतखाम की विधि विधान से स्थापना की गई थी, जहां पर मोहल्ले भर के सतनामी समाज के लोगों द्वारा पूजा-अर्चना किया जाता था। एसईसीएल गेवरा द्वारा उक्त मोहल्ला का अर्जन कर लिया गया है, जिसके कारण उन्हें वहां से विस्थापित होना पड़ा। श्यामलाल ने एसईसीएल गेवरा को 29 जुलाई को पत्र देकर विधि विधान से जैतखाम को विस्थापित करने हेतु तथा जैतखाम का मुआवजा राशि दिलाने की मांग किया था, किन्तु प्रबंधन द्वारा आवेदन पत्र पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। ग्रामीण ने शिकायत में बताया कि कुछ दिनों पूर्व एसईसीएल दीपका के प्रबंधक मनोज कुमार, कलिंगा, कंपनी के जीएम विकास दुबे, एसईसीएल कर्मचारी अनिल पाटले द्वारा जैतखाम को सहमति व जानकारी के बगैर उखाडकर अन्यत्र कहीं ले जाया गया है। श्यामलाल ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि उसके घर पर स्थित जैत खाम को उसकी उपस्थिति और रजामंदी के बिना उखाड़ लेने की शिकायत दर्ज कर संबंधित व्यक्तियों पर कानून कार्यवाही की जाए और उसका मुआवजा प्रदान किया जाए। श्यामलाल सतनामी ने कहा है कि यदि मांगो पर एक सप्ताह के भीतर कार्यवाही नही की जाती है तो उक्त स्थल में जैतखाम स्थापित कर धरना में बैठने के लिए विवश होगा।

भूपेश भारद्वाज का दुखद निधन से शिवनंदनपुर बिश्रामपुर मुझे शोक

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) शिवनंदनपुर बिश्रामपुर के युवा सी ए नितेश कुमार भरद्वाज के चाचा श्री भूपेश भारद्वाज आ स्व राम मूर्ति का 61 वर्ष कि आयु में ,लंबी बीमारी के पश्चात आज दुखद निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर का मुखाग्नि नितेश भारद्वाज रिंहद नदी तट स्थित मुक्तिधाम में दी। इनका अंतिम संस्कार में ईस्ट मित्रों ,भाई बंधुओ एवं सजातीय बंधुओ की उपस्थिति रही ।स्वर्गीय भूपेश भारद्वाज सेवा निवृत कॉलरी कर्मचारी राजेश भारद्वाज सहित सोमन भारद्वाज , श्रीमती सविता भारद्वाज के भाई थे।

कलेक्टर एस जयवर्धन ने नशा मुक्ति केंद्र का आकस्मिक किया निरीक्षण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)–नशा मुक्ति केंद्र मंडी रोड सुरजपुर का कलेक्टर ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने नशामुक्ति केंद्र में भर्ती सभी नशा पीड़ितो से व्यक्तिगत चर्चा किया और नशा मुक्ति केंद्र में सभी व्यवस्थाएं निरिक्षण किया निरिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान के सचिव सुरेन्द्र साहू ने बताया कि दिसंबर 2022 से अभी तक कुल 116 नशा पीड़ित भर्ती हुए थे , जिसमे अधिकांश लोग नशा से मुक्त होकर अपने घर चलें गए हैं। साथ ही 285 मरीजों का कांसलिग भी किया गया है। नशामुक्ति केंद्र में प्रमुख रूप से गांजा,शराब, कोरेक्स , चरस ,सुलेशन, तम्बाकू, गुटखा,सिकरेट के मरीज भर्ती है। जिला प्रशासन सुरजपुर द्वारा संचालित नशामुक्ति केंद्र में किसी भी जिले का मरीज भर्ती हो सकते है। नशामुक्ति केंद्र में रखकर उसे ठीक करने का प्रयास छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान द्वारा किया जाता है। नशामुक्ति केंद्र में संस्थान द्वारा सभी व्यवस्थाएं कि जा रही है।निरिक्षण के दौरान कलेक्टर एस जयवर्धन ने छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान द्वारा नशामुक्ति केंद्र में उपलब्ध कराए जा रहे व्यवस्थाओ का जायजा लिया। और नशा मुक्ति केंद्र में रहने वाले युवाओं को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण प्रदान करने का निर्देश संस्था प्रमुख को दिया। साथ ही नशामुक्ति केंद्र में सुरजपुर जिला के नशा मुक्ति पीड़ित लोगों को ज्यादा रखने का निर्देश भी दिया ।निरिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान लखनपुर जिला सरगुजा के कर्मचारी भारती साहू, हरिकेश गुप्ता विक्रम पाले,आकाश नायक, ,जय विश्वकर्मा,सुरज कुसरो, अर्णव ,रितेश ताजे,नर्स अनिता कुशवाहा सहित सभी स्टाफऔर हितग्राही उपस्थित रहे।

कोल इंडिया मुख्यालय कोलकाता की बैठक में ओबीसी एसोशिएशन के पदाधिकारी ने अपनी मांगे प्रमुखता से रखी

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) आज 29 नवम्बर को कोल इंडिया मुख्यालय न्यूटाऊन कोलकाता मे ओ,बी,सी,ऐसोसिएशन की कोल इंडिया स्तरीय बैठक गौतम बनर्जी महाप्रबंधक (श्रम शक्तिएंव औ.सं.सी.आई.एल.,श्री फनेन्द्र कोराडा वरिष्ठ प्रबंधक)श्रम शक्ति एंव औ.सं. और सभी कम्पनी से आये लाइजन अधिकारी की उपस्थिति मे और ओ.बी.सी.एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुलाब सिंह ,राष्ट्रीय महासचिव जय बहादुर सिंह यादव ,एस.ई.सी.एल..से क्रेदीय अध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार चंद्रा,एस.ई.सी.एल.से क्रेदीय महासचिव मंगला सिंह यादव एंव सभी कम्पनी सी,सी.एल.,बी.सी.सी.एल,एनसीएल,एमसीएल,डब्ल्यू सीएल, ई.सी.एल.,सी. एम.पी.डी.आई.एल. के क्रेदीय अध्यक्ष और क्रेदीय महासचिव उपस्थित में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम परिचयात्मक होने के बाद मुद्दों पर विस्तृत चर्चा प्रारम्भ हुई जिसमे सभी कम्पनियों मे ओबीसी ऐसोसियेशन के पदाधिकारीयो को ओबीसी आरक्षण का टेनिंग प्रोग्राम कराया जाय ,डब्लू ओ टी वेलफेयर ऑफ्सिर टेनिंग पर्सनल कैडर की वेंकेसी चालू कर सीट फूल किया जाय ,स्टाप और टी एड एस ग्रेड या ऊपर ग्रेड के कर्मचारियों को रेफरल अस्पताल मे भर्ती होने पर सेमी प्राइवेट वार्ड की सुविधा प्रदान किया जाय ,कोल इंडिया के कर्मचारियों के आश्रित बच्चों की मेडीकल सुविधा की उम्र 30 वर्ष किया जाय ,मेडिकल रेफर होने पर कर्मचारियों को होटल और दैनिक भत्ता दिया जाय ,कर्मचारियों के रिटायरमेंट होने के बाद या आवास मे रह रहे कर्मचारियों को कुछ पैसा पिक्स करके आवास कर्मचारियों को दिया जाय ,मेडिकल मे रेफर होने पर सहकर्मी को सेम श्रेणी मे यात्रा करने की अनुमति दिया जाय , कैल इंडिया के 40वर्ष पूर्ण होने पर अधिकारियों की भांति कर्मचारियों को भी राशि या समान दिया जाय ,मेडिकल अनफिट लोगों को मेडिकल अनफिट करके आश्रित को नौकरी दिया जाय ,समयबद्ध पदोन्नति दी जावें,ओ.बी.सी कर्मचारियों को नौकरी एंव पदोन्नती मे 27 प्रतिशत आरक्षण दियाजाय ,ओ.बी.सी.कर्मचारियों के जो बच्चे बाहर पढ़ रहे उन्हें बड़े शहरो हास्टल की सुबिधा मुहैय्या करवाया जाय,अन्य कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई जिसमे कई मुद्दों पर प्रबंधक ने सहमति दी बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण मे बैठक सपन्न हुई । उक्त जानकारी कलकत्ता से ओ.बी.सी.ऐसोसिएशन बिलासपुर जोन छत्तीसगढ़ के महासचिव मंगला सिंह यादव ने दी

संपादकीय

वैश्विक चुनौतियों के संदर्भ में जी-20 सम्मेलन

डा. अश्विनी महाजन

ऐसा लगता है कि पिछले सालों में जी-20 सम्मेलन का महत्व बढ़ता जा रहा है और विभिन्न देश इस सम्मेलन में शासनाध्यक्षों की उपस्थिति द्वारा प्रदत्त अवसर को अत्यंत गंभीरता से विभिन्न मुद्दों के बारे में आम सहमति बनाने के लिए इस्तेमाल कर रहे ह पिछले वर्ष भारत ने जी-20 समूह के अध्यक्ष के नाते जी-20 सम्मेलन आयोजित किया था। कई मायनों में यह सम्मेलन अभूतपूर्व था। खास तौर पर वैश्विक स्तर पर चल रहे विवादों, संघर्ष और युद्ध के वातावरण के बावजूद आम सहमति से घोषणा पत्र जारी किया गया। भारत से पूर्व इंडोनेशिया ने इसकी अध्यक्षता संभाली थी, लेकिन उस समय अंतिम घोषणा पत्र में रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में रूस की आलोचना की गई थी। जी-20 समूह, 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट में अस्तित्व में आया था। भारत में जी-20 सम्मेलन बहुत धूमधाम से आयोजित किया गया। इसकी न सिर्फ भौतिक तैयारियां, बल्कि बौद्धिक तैयारियां भी पूरी गंभीरता से की गई थीं। 2023 के सम्मेलन में भारत द्वारा रूस के बारे में कुशलतापूर्वक न केवल विवादास्पद भाषा से बचा जा सका, बल्कि विश्व के समक्ष उपस्थित मुद्दों, खास तौर पर बहुपक्षीय विकास बैंकों समेत वैश्विक वित्तीय संस्थानों में पूंजीगत संरचना में बदलाव, क्रिप्टो करैंसी, वैश्विक ऋण संबंधी समस्याओं का प्रबंधन, मौसम परिवर्तन से जुड़े वित्तीयन के मुद्दे आदि, सभी पर खुली चर्चा का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के आधार पर 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के ध्येय वाक्य ने वैश्विक स्तर पर चल रहे विवादों, संघर्षों, समस्याओं, मुद्दों को जैसे एक सूत्र में पिरो दिया था। ब्राजील की राजधानी रियो में सम्पन्न जी-20 सम्मेलन में इन विषयों को आगे ले जाने की एक विशेष चुनौती थी, इसलिए ब्राजील के जी-20 सम्मेलन में हुई चर्चाओं और सहमतियों को उस आलोक में भी देखना महत्वपूर्ण है। रियो, ब्राजील में सम्पन्न सम्मेलन का थीम रहा 'एक न्यायपूर्ण विश्व और एक धारणीय ग्रह'। जी-20 सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति लुला डि सिलवा ने कहा कि जी-20 सम्मेलन 2024, पिछले वर्ष की भारत की अध्यक्षता से प्रेरित रहा और भारत की सम्मेलन को आयोजित करने की कुशलता को प्राप्त

करने की कोशिश इस सम्मेलन में की गई है। जी-20 सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति ने सदस्य राष्ट्रों को अपने पर्यावरण लक्ष्यों को बढ़ाने का आह्वान किया। जी-20 सम्मेलन के घोषणा पत्र में पर्यावरण वित्तीयन पर गतिरोध खत्म करने की जरूरत पर बल दिया, लेकिन उसके समाधान के बारे में स्पष्ट मार्गदर्शन देने में यह घोषणा पत्र असफल रहा। समझना होगा कि पर्यावरण वित्तीयन पर यह गतिरोध लगातार बना हुआ है, जो न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि ग्लोबल वार्मिंग और मौसम परिवर्तन जैसे अत्यंत गंभीर मुद्दों पर विकसित देशों की असंवेदनशीलता भी दर्शाता है। हालांकि सम्मेलन का घोषणा पत्र यह कहता है कि पर्यावरणीय वित्त को सभी स्रोतों से अरबों से खरबों डॉलर तक तेजी से और पर्याप्त रूप से बढ़ाना जरूरी है, इसके बारे में ठोस रणनीति या संवेदनशीलता कहीं दिखाई नहीं देती। जी-20 सम्मेलन के पहले सत्र, जिसका मुद्दा 'भुखमरी और गरीबी के खिलाफ एकजुटता' था, को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत ने 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दे रहे हैं। 55 करोड़ लोग फ्री हेल्थ बीमा का लाभ उठा रहे हैं। किसानों को 20 बिलियन डॉलर (168 हजार करोड़ रुपए) दिए। भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में योगदान दे रहा है। हाल में ही मलावी, जाम्बिया और जिम्बाब्वे में मदद पहुंचाई है।' प्रधानमंत्री के भाषण में पिछले सम्मेलन के थीम एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य का जिक्र आया और उन्होंने इसे इस सम्मेलन के लिए भी उतना ही प्रासंगिक बताया। यही नहीं, उन्होंने जी-20 सम्मेलन में अफ्रीकी यूनियन को शामिल करने की बात को भी रखा। समझना होगा कि यह जी-20 के लिए एक मील का पत्थर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध के कारण दुनिया में खाद्य, तेल और उर्वरक का संकट पैदा हुआ है और विकासशील राष्ट्रों (ग्लोबल साऊथ) पर इसका असर सबसे ज्यादा हुआ है। प्रधानमंत्री के भाषण में यह भी रेखांकित किया गया कि जी-20 की चर्चा तभी सफल होगी, जब ग्लोबल साऊथ की चुनौतियों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा जाएगा। यही नहीं जी-20 सम्मेलन 2024 में पर्यावरणीय वित्त पर कोई ठोस बात नहीं हो पाई। पर्यावरण के विषय से जुड़े लोग इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने संबंधी भी कोई बात घोषणा पत्र में नहीं आ पाई। गौरतलब है कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को समाप्त करने संबंधी मुद्दे पर विश्व में एक मत नहीं है। जहां भारत सरीखे देश इस बात पर जोर दे रहे हैं कि केवल कोयले के उपयोग को कम करने पर ही नहीं, बल्कि पेट्रोलियम तेल के उपयोग करने पर भी उतना ही बल दिया जाना चाहिए। लेकिन अमरीका और अरब देशों समेत अधिकांश विकसित देश भी चतुराई से केवल कोयले के उपयोग को कम करने की वकालत कर रहे हैं। उधर दुबई में आयोजित कॉप-28 सम्मेलन में देशों ने जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को कम करने संबंधी सहमति दर्शाई थी, लेकिन पर्यावरण से जुड़े कार्यकर्ताओं को लगता है कि जी-20 घोषणा पत्र में जीवाश्म ईंधनों के उपयोग के बारे में बात नहीं आने से कॉप-29 में यह मुद्दा और कमजोर हो जाएगा। महत्वपूर्ण मुलाकातें : किसी भी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत का नेतृत्व केवल सम्मेलन तक सीमित नहीं रहता। सम्मेलन के साथ-साथ यह एक अवसर भी होता है कि अन्य मुल्कों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत हो, कुछ अनसुलझे मुद्दे सुलझाए जाएं, मित्र देशों के साथ अपनी प्रगाढ़ता बढ़ाई जाए और विभिन्न देशों के शासनाध्यक्षों के साथ सीधी बातचीत से देश के हितों को आगे बढ़ाया जाए। इस मौके पर भारत के प्रधानमंत्री एवं प्रतिनिधिमंडल के विभिन्न सदस्यों द्वारा इस मौके का बखूबी इस्तेमाल किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केवल ब्राजील के राष्ट्रपति ही नहीं, बल्कि इटली की प्रधानमंत्री जियोंजिया मैलोनी के साथ मिलकर प्रतिरक्षा, सुरक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे मुद्दों पर बातचीत की गई। यही नहीं अमरीका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ भी उनकी मुलाकात चर्चा में रही। इंग्लैंड के प्रधानमंत्री कीर स्ट्रॉमर के साथ भी प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, सुरक्षा, नवाचार जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई और इन मुद्दों पर मिलकर काम करने पर बल दिया गया और यूके के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत को पुन: शुरू करने की बात भी की गई। इसके अलावा फ्रांस, नार्वे, पुर्तगाल और इंडोनेशिया के नेताओं के साथ भी द्विपक्षीय बातचीत हुई। नार्वेजिएन प्रधानमंत्री के साथ भी प्रधानमंत्री की मुलाकात हुई। एक अन्य दिलचस्प बात भारत और चीन की द्विपक्षीय वार्ता की हुई, जिसमें चीन के विदेश मंत्री के साथ भारत के विदेश मंत्री जयशंकर की बातचीत रही। भारत-चीन सीमा पर दो विवादास्पद ठिकानों पर सेनाओं के पीछे हटने के फैसले के बाद यह पहली बार हुआ कि चीन के साथ सीमा विवादों पर कोई सरकारी बातचीत हुई हो। समझा जा सकता है कि इससे भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंध बेहतर होंगे और इस क्षेत्र में स्थायित्व आएगा। गौरतलब है कि मई 2020 से शुरू होते हुए पिछले 4 साल से भारत और चीन के बीच सीमा पर तनातनी बनी हुई है। ऐसा लगता है कि पिछले सालों में जी-20 सम्मेलन का महत्व बढ़ता जा रहा है और विभिन्न देश इस सम्मेलन में शासनाध्यक्षों की उपस्थिति द्वारा प्रदत्त अवसर को अत्यंत गंभीरता से विभिन्न मुद्दों के बारे में आम सहमति बनाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

अफस्पा वापस लेने का अनुरोध किया

हालात ऐसे बने हैं कि खुद बीरेन सिंह सरकार ने केंद्र से अफस्पा वापस लेने का अनुरोध किया है। इस कानून को लेकर मणिपुर में विरोध का लंबा इतिहास है, जिस कारण इसका नाम ही वहां नकारात्मक प्रतिक्रिया पैदा करता है। मणिपुर हिंसा की चपेट में है। इंफ़ाल घाटी में विधायकों और मंत्रियों के घरों पर हुए हमले इस बात की तस्दीक करते हैं कि फिलहाल राज्य में अराजकता जैसी हालत है। बेकाबू भीड़ पर कई जगहों पर पुलिस ने लाठी चलाई है या आंसू गैस के गोले दागे हैं। राजधानी इंफ़ाल समेत कई इलाक़ों में कर्फ़्यू लगाया गया है। कई जगहों पर इंटरनेट सेवा बंद है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री एन. बीरेन की पीठ पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व का हाथ बना हुआ है, जिनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि अब उनकी सरकार के सहयोगी दल एनपीपी ने भी समर्थन वापस ले लिया है। हैरतअंगेज है कि सवा साल से हिंसा में झुलस रहे इस राज्य में मौतों और बढ़ी सामाजिक खाई के लिए किसी की सियासी जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। इस बीच समस्या का हल सख्ती से निकालने के नजरिए के तहत केंद्र ने राज्य के छह थाना क्षेत्रों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार कानून (अफ्सपा) लागू कर दिया है, मगर इस फैसले से जन असंतोष और भड़क उठने के संकेत हैं। हालात ऐसे बने हैं कि खुद बीरेन सिंह सरकार ने केंद्र को पत्र लिख कर इन थाना क्षेत्रों से अफस्पा हटाने का अनुरोध किया है। अफ्सपा के तहत सशस्त्र बलों को कार्रवाई की खास शक्तियां मिल जाती हैं। इस कानून को लेकर मणिपुर में विरोध का लंबा इतिहास है, जिस कारण इसका नाम ही वहां नकारात्मक प्रतिक्रिया पैदा करता है। राज्य की भाजपा सरकार ने संभवत: इसे समझते हुए ही केंद्र को चिट्ठी लिखी है। केंद्र को इस पत्र को गंभीरता से लेना चाहिए। मणिपुर में जरूरत संवाद और संवेदनशीलता की है। इसे ना दिखाने का परिणाम है कि कुकी समुदाय के इलाकों में हिंसक प्रतिक्रिया बढ़ी है, वहीं बहुसंख्यक मैतेई समुदाय में गुस्सा और ध्रुवीकरण तीखा हुआ है। ये सारा घटनाक्रम देखते-देखते विस्फोटक होता गया है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार और भाजपा का नेतृत्व वहां बनते हालात से संभवत: जानबूझ कर बेखबर बना रहा है। क्या अब भी हालात को वह गंभीरता से लेगा? याद रखना चाहिए कि मणिपुर की घटनाओं से पूरा उत्तर-पूर्व प्रभावित हो सकता है।

आलेख

नीतिगत क्रियान्वयन से भारत में सहकारिता आंदोलन को दिया जा रहा बढ़ावा

शाजी के.वी

साझा आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समावेशी विकास रणनीति सहकार से समृद्धि के देश में अब तक काफी कारगर नतीजे सामने आए हैं। स्वतंत्रता से पहले के दौर में अगर हम भारत में सहकारिता आंदोलन की उत्पत्ति को देखें तो पाएंगे कि इसकी शुरुआत किसानों की गरीबी कम करने की चुनौती से हुई थी, जिसका मुख्य कारण बार-बार पड़ने वाला सूखा और साहूकारों की सूदखोरी प्रवृत्ति था। एनएएफआईएस, 2021-22 के अनुसार यह काफी प्रसन्नता का विषय है कि ग्रामीण सहकारी ऋण संस्थानों के माध्यम से केंद्र सरकार की निरंतर और लक्षित वित्तीय समावेशी पहलों के कारण, ग्रामीण परिवारों की साहूकारों और जमींदारों पर निर्भरता अब घटकर मात्र 4.2 प्रतिशत रह गई है। भारत में सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने वाली प्रारंभिक शक्तियां भले ही अब कमज़ोर पड़ रही हों, लेकिन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस समय कई नई और जटिल उभरती चुनौतियां हैं, जिनके लिए सहकारी आंदोलन को नई दिशा और उस पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित हो सके। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो सपना देखा है, उसी के अनुरूप देश 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इन नई चुनौतियों में किसानों की आय बढ़ाने से लेकर एक कुशल ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला हासिल करना, स्थायी आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति को कम करना, कृषि के अलावा अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना, कृषि उत्पादकता तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले प्रयासों को बढ़ाना और डिजिटल क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाना शामिल है। सहकारी संस्थाएं अपने मजबूत स्थानीय ज्ञान, पूर्व की घटनाओं से अनुभव हासिल कर भविष्य की नई योजनाएं, संपर्क कार्यक्रम बनाने तथा इन्हें मजबूत करने की क्षमता और नए कारोबारी माहौल के अनुरूप ढलने के कारण इन चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हो सकती हैं। सहकारी संस्थाओं के लिए मददगार नीतियां बनाने की दिशा में संयुक्त राष्ट्र महासभा की 'सामाजिक विकास में सहकारी समितियों पर रिपोर्ट' (जुलाई 2023) से जानकारी प्राप्त करना उपयोगी हो सकता है, जो इस बात पर ज़ोर देती है कि सहकारी समितियां बाज़ार संबंधी विफलताओं से निपटने, हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने, रोज़गार के अवसर बढ़ाकर सतत विकास को सहारा देकर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। यह रिपोर्ट सहकारी समितियों के लिए एक उद्यमी प्रक्रियागत दृष्टिकोण की सिफारिश करती है, जो एक स्थानीय माहौल में आपस में जुड़े हुए नेटवर्क के माध्यम से सभी हिस्सेदारों को जोड़ती है। भारत के सहकारी क्षेत्र में दूध और चीनी के क्षेत्रों में मिली अपार सफलता केवल एकीकृत दृष्टिकोण के महत्व को ही प्रमाणित करती है। इसका एक और अन्य सफल उदाहरण भारत की सबसे पुरानी श्रमिक सहकारी संस्था - उरालुंगल लेबर कॉन्ट्रैक्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी का है, जो बुनियादी ढाँचे से जुड़ी है और इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर रही है। यह वैकल्पिक उद्यमशीलता मॉडल का एक अनूठा उदाहरण है। यहां सहकारिता के दो विशिष्ट पहलुओं का उल्लेख करना आवश्यक है: पहला, सहकारी समितियों के बीच सहयोग का महत्व - जब उरालुंगल को एक सड़क परियोजना हेतु लिए गए भारी कर्ज की किश्तें चुकानी थीं, तो उसने 38 प्राथमिक सहकारी समितियों का एक संघ बनाया और उनकी मदद से यह भारी राशि जुटा सकी, जिससे उसकी साख भी बनी रही और साथ ही उसका विस्तार भी हुआ; दूसरा, निजी फर्मों के विपरीत, संकट की स्थिति में एक श्रमिक सहकारी समिति द्वारा रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। अमित शाह के शानदार नेतृत्व में भारत सरकार में एक नए सहकारिता मंत्रालय के गठन के परिणामस्वरूप सहकारी समितियों के लिए भारत में हाल की नीतियों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उभरती चुनौतियों की व्यापक और जटिल प्रकृति को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। इस तरह के कुछ बड़े प्रयासों में कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) का गठन, इसे कंप्यूटरीकृत करना।

श्रीकृष्ण जी की शिक्षाओं की प्रासंगिकता

दिन-रात पीपल, वटवृक्ष, नीम काटकर केवल साज सज्जा के लिए वृक्ष लगाने वाले मानवता के साथ अपराध कर रहे हैं। जीवन छीन रहे हैं। रोगी बना रहे हैं। क्या यह शासक नहीं जानते कि पीपल चौबीस घंटे प्राणवायु देता है। अशुद्ध वायु को अपने में समाहित कर लेता है। पीपल के कितने लाभ, यह तो पशु भी जानते हैं। हाथी की शक्ति का मूल साधन पीपल के पत्ते ही हैं। वैसे भी पीपल अनेक रोगों का उपचार करता है। अगर आज भगवान श्रीकृष्ण जी का संदेश मान करके पीपल जैसे वृक्षों की रक्षा की जाए, नए लगाए जाएं तो पर्यावरण की समस्या कुछ वर्षों में ही हल हो सकती है भगवान श्रीकृष्ण जी ने आज से लगभग 5154 वर्ष पहले महाभारत के युद्ध में जो गीता का संदेश दिया वह आज भी अतुलनीय है, अनुपम है और आज के समय के लिए श्रीकृष्ण का संदेश उतना ही सार्थक और मार्गदर्शक है जितना पांच हजार वर्ष पूर्व था। गीता के समकक्ष विश्व का संभवत: कोई भी ग्रंथ नहीं बन पाया। विश्व भर के विद्वानों ने गीता ग्रंथ की सराहना की है, इसे अनुपम माना है। भारत के प्रख्यात साहित्यकार एवं राष्ट्रभक्त श्री बंकिम चंद्र चटोपाध्याय जी ने गीता के विषय में यह कहा है- 'गीता को धर्म का सर्वोत्तम ग्रंथ मानने का यही कारण है कि उसमें ज्ञान, कर्म और भक्ति तीनों योगों की न्याययुक्त व्याख्या है। अन्य किसी भी ग्रंथ से इसका सामंजस्य नहीं है। ऐसा अपूर्व धर्म, ऐसा अपूर्व ऐक्य केवल गीता में ही दृष्टिगोचर होता है। ऐसी अद्भुत धर्म व्याख्या किसी भी देश में और किसी भी काल में किसी ने भी की हो, ऐसा ज्ञात नहीं। ऐसा उदार और उत्तम भक्तिवाद जगत में और कहीं भी नहीं है। गीता के लिए ही उत्तरप्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश जी ने यह भी कहा था कि इसे राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित किया जाए और सभी विद्यार्थियों को इसका अध्ययन करना चाहिए या संस्थाओं में इसे पढ़ाया जाना चाहिए। अब प्रश्न यह उठता है कि आखिर भगवान श्रीकृष्ण जी ने गीता में क्या कहा? अगर सरल भाषा में हम कहें, आम जन जिसे समझ सके, उस ढंग से श्रीकृष्ण जी के संदेश को प्रस्तुत किया जाए, तो सभी यह जान सकते हैं कि श्रीकृष्ण जी क्या थे, क्या कहते थे।वैसे उनका जीवन ही समभाव और समरसता का था। कौन नहीं जानता कि वे अपने बचपन में गोकुल के ग्वाल, बाल बालों के साथ खेलते थे, उनमें कहीं भी छोटे-बड़े का भाव नहीं था। मां के हाथ के कढ़ी-चावल बच्चों में बांटकर खाते थे। कुछ अनभिज्ञ लोग चाहे यह कहें कि वे माखन चोरी करते थे, पर वास्तविकता यह है कि नंद गांव और गोकुल का सारा दूध-दही कंस डंडे के बल से मथुरा मंगवा लेता था और भगवान श्रीकृष्ण जी ने ग्वाल बालों के साथ मिलकर एक ऐसा संगठन बनाया जो गोकुल का माखन गोकुल के बच्चों को खिलाते थे और कंस के हाथों में गोकुल, नंदगांव की शक्ति न जाए, इसका पूरा प्रयास नन्हा-मुन्ना कृष्ण करने लगा। जातिगत भेदभाव तो श्रीकृष्ण जी ने कभी स्वीकार ही नहीं किया। उन्होंने गीता में कहा है कि गीता के चतुर्थ अध्याय के 13वें श्लोक में गुणों और कर्मों के अनुसार ही रचे गए मुझसे हैं, ये वर्ण चार। इसी प्रकार जाति-धर्म आदि के आधार पर जो विद्वान भेदभाव करते हैं, उनको भगवान श्रीकृष्ण जी ने पंडित नहीं कहा। उनका यह कहना है कि विद्या विनय संपन्न ब्राह्मण, गाय, हाथी, चाण्डाल और श्वान को जो समदृष्टि से देखता है, वही पंडित है। आज हमारे देश और दुनिया में राजनेता भी और धार्मिक नेता भी जाति-पाति के आधार पर बहुत भेद करते हैं। राजनीति तो लोगों को बांटकर ही चलती है। जात-पात, प्रांत-भाषा के आधार पर देश को बांटना, दुनिया में हिंसा या घृणा फैलाना किसी भी तरह श्रीकृष्ण जी को स्वीकार नहीं था। इसीलिए आज हमारा देश गीता का देश है, श्रीकृष्ण का देश है, उन्हें गुणों से ही व्यक्ति का सम्मान करना और समाज में स्थान देना चाहिए, जाति, धर्म या जन्म के आधार पर नहीं। श्रीकृष्ण जी ने जो कहा, उसका सार यह है : विद्या विनय युक्त ब्राह्मण है जो

गाय, हाथी, कुत्ता या चाण्डाल हो
समदर्शी बनकर सदा ज्ञानवान
देखें सभी को ही वे एक समान।।

आज भी देश के सभी विद्वान यह जानते हैं कि शिक्षा के साथ ही देश का विकास हो सकता है, नागरिक लोकतंत्र के सही अधिकारी भी शिक्षा से ही हो सकते हैं। इसके साथ ही पेट भर रोटी सबको मिले। कौन नहीं जानता कि आज भी देश में अनपढ़ों की बड़ी फौज है और फुटपाथ पर सोने तथा रात को भूखे रहने वाले भी करोड़ों हैं। इसलिए भगवान श्रीकृष्ण जी ने दान-यज्ञ और जप-यज्ञ की बात की है। दान-यज्ञ से भी श्रेष्ठ उन्होंने जप-यज्ञ को बताया है। यहां यज्ञ का अभिप्राय वह नहीं जो लोग आज भी यज्ञ के बारे में सोचते हैं। यज्ञ का अर्थ है जो भी ईश्वर ने दिया है, उसे बांट कर खाओ और विद्या ज्ञान का दान करो। जिसे विद्या प्राप्त हो जाएगी, वह अपने जीवन के सारे साधन स्वयं जुटा सकेगा। फुटपाथ पर भूखे नहीं सोना पड़ेगा। उससे भी बड़ी बात, सोना-चांदी, मान-अपमान, लाभ-अलाभ को एक जैसा जानें। आज समाज में क्या हो रहा है, बड़े-बड़े अधिकारी, उच्च पदस्थ लोग, धनवान अधिक से अधिक धन कमाने के लिए कई प्रकार के अपराध करते हैं। यदा-कदा ये समाचार मिलते ही रहते हैं कि इन अमीरों के खजाने में दो नंबर का धन, अर्थात अवैध धन संपत्ति इतनी जमा है कि उसकी गणना करने के लिए मशीनें मंगवानी पड़ती हैं। इस धन का देश को लाभ नहीं, उस परिवार को भी कोई लाभ नहीं। जब बेईमानी से कमाने वाला व्यक्ति जेल की सलाखों में पहुंच जाता है और भी आज जब सारी दुनिया में पर्यावरण की चिंता है, प्राणवायु खरीदकर सिलेंडरों में भरकर अस्पतालों में रोगियों की प्राण रक्षा का प्रयास किया जाता है, ऐसे समय में याद रखना होगा कि भगवान ने स्वयं को अश्वथ वृक्ष अर्थात पीपल कहा है। दिन रात पीपल, वटवृक्ष, नीम काटकर केवल साज सज्जा के लिए वृक्ष लगाने वाले मानवता के साथ अपराध कर रहे हैं।

तकनीकी विकास और आधुनिकता के प्रभाव से जूझते बच्चे

राजेश मणि

वर्तमान युग में भारतीय समाज त्वरित गति से तकनीकी और सामाजिक बदलावों का सामना कर रहा है। तकनीकी विकास ने हमारे बच्चों के जीवन को जहां नये अवसर दिए हैं, वहीं कई संकटों को भी जन्म दिया है। आज के बच्चे, जो हर रोज स्मार्टफोन, इंटरनेट और अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग करते हैं, अपनी मानसिकता, आदतों और जीवनशैली में तेजी से बदलाव महसूस कर रहे हैं। पिछले कुछ दशकों में भारत में इंटरनेट, स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। शिक्षा से लेकर मनोरंजन तक, सब कुछ डिजिटल हो गया है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल गेमिंग, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और वीडियोग्राफी जैसे अत्याधुनिक साधन बच्चों की सोच, आदतें और जीवनशैली को आकार दे रहे हैं। बच्चों का अधिकांश समय स्मार्टफोन, टैबलेट, और कंप्यूटर पर बीतता है। परिणामस्वरूप बच्चों में शारीरिक गतिविधियों की कमी हो रही है। शारीरिक निष्क्रियता से मोटापा, हड्डियों की कमजोरी और स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याएं बढ़ रही हैं। लंबे समय तक स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित करने से उनकी आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और आंखों की रोशनी में भी गिरावट आ रही है। मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। बच्चों को साइबरबुलिंग, पोर्नोग्राफी, और असामाजिक सामग्री का सामना करना पड़ रहा है, जो उनके मानसिक विकास को नुकसान पहुंचाता है। सोशल मीडिया पर खुद को दूसरों से बेहतर साबित करने का दबाव भी बच्चों को तनाव और अवसाद की ओर धकेल रहा है। तकनीकी विकास ने भारतीय शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह बदल दिया है। ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल उपकरणों का बढ़ता उपयोग बच्चों को नई पद्धतियों से शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दे रहा है। इंटरनेट ने जहां बच्चों को दुनिया भर की जानकारी से परिचित कराया है, वहीं यह पारंपरिक शिक्षा की आदतों और मूल्यों से भी उन्हें दूर कर रहा है। बच्चों को खुद से पढ़ाई करने और स्वाध्याय की आदत डालने की बजाय वे अब इंटरनेट और तकनीकी उपकरणों पर निर्भर हो गए हैं। साथ ही, शिक्षा में नैतिक और सामाजिक शिक्षा की कमी भी महसूस हो रही है। आजकल के बच्चे भले ही तकनीकी दृष्टि से बेहद प्रगति कर गए हैं, लेकिन उनके भीतर मानवीय मूल्यों, नैतिक शिक्षा और पारिवारिक संबंधों की अहमियत धीरे-धीरे कम हो रही है। यह स्थिति बच्चों को मानसिक और सामाजिक दृष्टिकोण से कमजोर बना रही है। भारत में

पारंपरिक रूप से बच्चों से उच्च शिक्षा की उम्मीदें बहुत अधिक होती हैं। माता-पिता और समाज बच्चों से उम्मीद करते हैं कि वे हमेशा सर्वोत्तम परिणाम देंगे, जो मानसिक दबाव का कारण बन सकता है। बच्चों को अपनी पहचान बनाने में भी कठिनाई हो रही है, क्योंकि वे समाज के मानकों में बंध कर जीने की कोशिश करते हैं। यह दबाव न उनके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डालता है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी डगमगा सकता है। इसके अलावा, आजकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्त जीवनशैली के कारण बच्चों को पर्याप्त समय और ध्यान नहीं मिल पाता। परिणाम यह होता है कि बच्चे अपने माता-पिता से मानसिक और भावनात्मक सहायता प्राप्त नहीं कर पाते और इस स्थिति में उनका मानसिक विकास बाधित हो सकता है। इस संकट से उबरने के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण कदम उठाने होंगे-संतुलित जीवनशैली- बच्चों को तकनीकी उपकरणों का उपयोग सीमित करना चाहिए। शारीरिक गतिविधियों, खेलकूद और परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलना चाहिए। संतुलित जीवनशैली बच्चों को मानसिक-शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती है। आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा- बच्चों को तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा और मानवता के मूल्यों की भी शिक्षा दी जानी चाहिए। इससे बच्चों का मानसिक-सामाजिक विकास संतुलित रूप से हो सकता है। पारिवारिक समर्थन- बच्चों को अपने परिवार से मानसिक-भावनात्मक समर्थन की आवश्यकता होती है। माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए, उन्हें समझने और उनकी समस्याओं का हल निकालने में मदद करनी चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल- बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्त्व के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। बच्चे किसी प्रकार के मानसिक तनाव या अवसाद से जूझ रहे हैं, तो उन्हें काउंसलिंग और उचित मानिसक उपचार की सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। शिक्षा में सुधार- पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। बच्चों को आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक मूल्यों की भी शिक्षा दी जानी चाहिए। सरकार भी अपने तरीकों से हस्तक्षेप करने का प्रयास किया है भारत सरकार, प्रदेश सरकारें समय- समय पर जागरूकता अभियान और दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने साइबर सुरक्षा पर किशोरों/छात्रों के लिए पुस्तिका भी बनाई है। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल में चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने साफ कर दिया कि चाइल्ड पोर्न देखना या उसे स्टोर करके रखना भी पास्को और आईटी कानून के तहत अपराध है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पास्को एक्ट की धारा 15 के अनुसार चाइल्ड पोर्न देखना, रखना, प्रकाशित करना या उसे प्रसारित करना अपराध है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शनिवार 30 नवम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
5

संक्षिप्त समाचार

जयपुर में समत्व सागर जी मुनिराज के सानिध्य में अभूतपूर्व प्रभावना के साथ कल्पद्रम महामंडल विधान सानंद सम्पन्न

जयपुर (विश्व परिवार)। जयपुर महानगर के चित्रकूट कॉलोनी स्थित सकल दिगंबर जैन समाज चित्रकूट कॉलोनी के तत्वावधान में परम पूज्यचार्य शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी मुनिराज के मंगल आशीर्वाद से परम पूज्य श्रमण रत्प 108 समत्व सागर जी मुनिराज व श्री 108 शील सागर जी मुनिराज के मंगल सानिध्य में दिनांक 18 नवंबर से 27 नवंबर के मध्य ऐतिहासिक कल्पतरु महामंडल विधान कुशल वक्ता कवि हृदय युवा विधानाचार्य श्री विकर्ष जी शास्त्री व शुभम भैया के कुशल मार्गदर्शन विधानाचर्यत्व में अभूतपूर्व प्रभाव न के साथ सानंद संपन्न हुआ। कवि हृदय विकर्ष शास्त्री जी की अनोखी काव्यात्मकशैली और भजनों ने लोगों के हृदय में एक अनूठा स्थान बनाया। जिसकी चर्चा पूरे समाज में होती रही कार्यक्रम के अंतिम दिवस ब द्वय विद्वानों का संपूर्ण जैन समाज ने अभिनंदन पत्र पढ़कर। स्वागत वंदन किया। और पूज्य मुनि श्री समत्व सागर जी मुनि महाराज को संपूर्ण समाज ने युवा श्रुत संवाहक श्रमण अलंकरण से अलंकृत किया। यह कार्यक्रम जयपुर के इतिहास में अभूतपूर्व रहा।

छत्तीसगढ़ में अब तक 18.09 लाख मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों से सुगमता पूर्वक धान की खरीदी की जा रही है। छत्तीसगढ़ में धान 14 नवम्बर सें शुरू हुए धान खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। राज्य में 14 नवम्बर से अब तक 18.09 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। राज्य में अब तक 3.85 लाख किसानों ने अपना धान बेचा है। धान खरीदी के एवज में इन किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 3706 करोड़ 69 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि इस खरीफवर्ष के लिए 27.68 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इसमें 1.45 लाख नए किसान शामिल है। इस वर्ष 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है।

जीवन को ऐसा बनाओ कि वह सबमें रम सके सबको अपना बना सके : मुनि श्री प्रमाणसागर जी

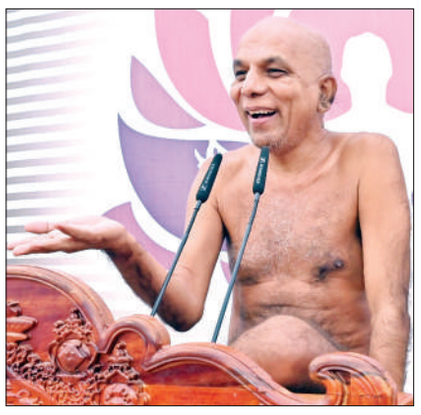

इंदौर (विश्व परिवार)। जीवन को खुशहाल बनाना चाहते हो तो आग्रह पूर्ण प्रवत्ति को त्यागकर जीवन में लोच बनाकर रखिये उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने नेमीनगर में प्रात:कालीन धर्म सभा व्यक्त किये

मुनि श्री ने कहा कि पहले परिवार में दादा दादी चाचा चाची हुआ करते थे और यदि कोई बात होती थी तो वह सम्हाल लिया करते थे आजकल तो छोटी छोटी बातों पर व्यक्ति आग्रह कर अड़ जाता है और दुराग्रह पैदा हो जाते है उन्होंने विनोद पूर्ण लहजे में एक किस्सा सुनाते हुये कहा कि घर में पति पत्नी थे और अपनी भविष्य की संतान के विषय में सोच रहे थे पत्नी की इच्छा डाक्टर बनाने की थी जबकि पति उसे वैज्ञानिक बनाना चाहता था पत्नी कहती में नौ माह तक अपनी संतान को अपने पेट में रखूंगी में उसकी मां हूँ उसे डाक्टर ही बनाउंगी और पिता कहता कि आजकल गली गली में डाक्टर है में अपने बेटे को बैज्ञानिक ही बनाऊंगा दौनों अपनी जिद पर अड़ गये और बात तू तू में में पर पहुंच मामला तलाक तक पहुंच गया, जज समझदार था उसने मामले की तह में जाते हुये कहा कि आप बेटा को बुलाइये बेटा क्या बनना चाहता है? तो पति पत्नी दौनों एक साथ बोले कि अभी बेटा हुआ ही कंहा है? जज के सामने उनको शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा मुनि श्री ने कहा कि बात हंसने की नही आप लोगों की हठाग्रही प्रवत्ति के कारण छोटी छोटी बातों पर ही उलझ पड़ते है, जिनका कोई सिर पैर नहीं होता कभी बच्चों की डिरेस को लेकर तो कभी अन्य छोटी छोटी बातों पर बच्चों के सामने ही माता पिता आपस में उलझ पड़ते है मुनि श्री ने कहा कि हटाग्रही नहीं बनिये खुद को मनाना सीखिये मन में खिन्नता मत लाइये, अपनी बात को इस प्रकार से रखो कि सामने बाला मान जाऐ तो ठीक नहीं माने तो ठीक अपनी बात को थोपिये मत उन्होंने कहा कि हम रोज आपको कहता हूं आप लोग हमारी बात को सुनते ही नहीं फिर भी हम कर्तव्य मानकर कहते रहते है आप लोग मान जाओ तो ठीक और नहीं मानो तो ठीक यदी हम अपने आग्रह में लग जाऐंगे तो मन में क्षोभ और क्लेश भी उत्पन्न होगा यही स्थिति समाज, परिवार रिस्तेदारी और मित्रों के बीच में उत्पन्न होती है।उन्होंने कहा धर्म के मर्म को समझिये, अपने जीवन को ऐसा बनाओ कि वह सबमें रम सके सबको अपना बना सके यह तभी हो सकता है जब हम अपनी बात पर अड़ना बंद कर देंगे। सास ने बहु से कुछ कहा और बहु ने बात नहीं मानी बस इसी बात को लेकर ही घर में अशांति का माहौल बन जाता है हटाग्रही न बनें जीवन को रसमय तथा आनंदमय बनाऐं।इस अवसर पर मुनि श्री निर्वेग सागर महाराज ने कहा कि आजकल कम पड़े लोग सुख शांति से रहते है, ज्यादा पड़े लिखे लोग ज्यादा कन्फयूज हो रहे है बच्चे पहले भी पड़ते थे और 60त्न लाकर बच्चे तथा मां बाप दौनों खुश रहते थे अपना व्यापार कृषि आदि कर खुशी खुशी पूरा परिवार एक साथ रहता था आज 95त्न नम्वर लाने के पश्चात भी बच्चे रोते रोते घर आते है उसका कारण है कि बच्चों के ऊपर आपने टांप करने की मानसिकता बना रखी है थोड़े से कम नम्वर आने पर ही वह डिप्रेशन के शिकार हो जाते है, उन्होंने कहा कि बेटा और बेटियाँ को पड़ाई के साथ ही व्यव्हारिक ज्ञान भी दीजिये जिससे उनके अंदर सहनशीलता आऐ यदि वह 70 प्रतिशत या कम नम्वर भी लाऐं तो उनका हौसला बडाइये जिससे वह अपने आप को कमजोर न समझें और आगे महनत करें। इस अवसर पर मुनि श्री संधान सागर महाराज सहित समस्त क्षुल्लक मंचासीन थे।

प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया मुनिसंघ ने आहार चर्या उपरांत दौपहर में 1:30 बजे उदासीन आश्रम कंचनबाग की और प्रस्थान किया, सांयकाल 5:45 से शंकासमाधान कार्यक्रम एवं रात्री विश्राम यंही संपन्न होगा 30 नवम्वर शनिवार को मुनिसंघ प्रात:6:30 बजे वैभवनगर की ओर प्रस्थान करेंगे मंगल अगवानी 7:30 बजे संविद नगर कनाडिया रोड़ से की जाऐगी पंचकल्याणक महामहोत्सव समिति केसंयोजक हर्ष तृप्ति जैन धर्मप्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक रानी डोसी नवीन आनंद गोधा सहित समस्त पदाधिकारिओं ने सकल दि. जैन इंदौर से आग्रह किया है कि मुनिसंघ की मंगल अगवानी कर पुण्यलाभ अर्जित करें। -**अविनाश जैन**

श्री विशुद्धकुल गौरव श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर जी की चरण धूलि से पावन होगी अशोकनगर की वसुधा

नांदणी (विश्व परिवार)। श्री विशुद्धकुल गौरव, आध्यात्मिक महाद्युति, श्रुतसंवेगी श्रमण श्री 108 आदित्यसागर जी, श्रुतप्रिय श्रमण श्री 108 अप्रमितसागर जी महाराज, अशोकनगर गौरव सहजानंदी श्रमण श्री 108 सहजसागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री 105 श्रेयससागर जी महाराज की चरण धूलि से पावन होगी अशोकनगर की वसुधा।

मुनित्रय के विहार की आगामी दिशा- 29 नवम्बर को गुना में आहारचर्या संपन्न होगी। 30 नवम्बर को साढ़ौरा में आहारचर्या संपन्न होगी। 1 दिसम्बर को अशोकनगर में भव्य प्रवेश होगा। कोटा के बाद अब अशोक नगर, अध्यात्म बरस रहा है डगर-डगर।

श्रुतसंवेगी श्रमण श्री आदित्यसागर महाराज जी ने कहा की, रिश्ते बनायें तो उसे निभाना भी सीखें। जिद्दी बनकर रिश्ते तोडने की अपेक्षा, सरल बनकर रिश्ते निभाना ज्यादा अच्छा है। रिश्ते बनाकर मौसम की तरह न बदलें। पर्वत की तरह अडिग रहें। सही बात है - पता नहीं क्यों लोग रिश्ते तोड देते है। पर अपनी जिद नहीं छोड पाते हैं।

जिन माता-पिता को अपना भविष्य सुखमय करना हो, उन्हें अपने बच्चों को लौकिक शिक्षा के साथ - साथ धार्मिक शिक्षा भी देना चाहिये। लौकिक शिक्षा उन्हें दुनियादारी सिखायेगी, धार्मिक शिक्षा उन्हें सेवा, धर्म, नैतिकता और धीरता भी सिखायेगी। सही बात है - बच्चों को जन्म देना मात्र आपका कर्तव्य नहीं है। उन्हें संस्कारित करना भी आपका ही कर्तव्य है।

जिंदगी में अपना-पराया कोई नहीं होता, वक्त अपना होता है, तो सब अपने होते हैं। वक्त पराया होता है, तो अपने भी पराये हो जाते हैं। सबको अपना बनाने में वक्त न बितायें। वक्त को अपना बनाने में वक्त लगायें। सही बात है - पैसा कमाने की अपेक्षा, अपना वक्त बनाने का पुरुषार्थ करें। वक्त जिसका होता है, दुनिया भी उसी की होती है। नमोस्तु शासन जयवंत हो। -**अभिषेक अशोक पाटील**

मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ने कहा- मोक्ष प्राप्ति हर जीव के लिए उच्चतम लक्ष्य, चरमोत्कृष्ट आस्था है मोक्ष

मोक्ष कल्याणक व विश्व शांति महायज्ञ के साथ संपन्न हुआ पंचकल्याणक महोत्सव

ललितपुर (विश्व परिवार)। शांतिनाथ अतिशय क्षेत्र बानपुर में आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रमण मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, श्रमण मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज, आर्यिका श्री विजिज्ञासामती माता जी ससंघ के सान्निध्य में चल रहे श्री आदिनाथ श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में शुक्रवार को पंचकल्याणक महोत्सव में आखरी दिन तीर्थंकर भगवान का मोक्षकल्याणक भारी आस्था श्रद्धा के साथ मनाया गया। साथ ही जिन बिम्ब स्थापना की गई।

शुक्रवार को मोक्षकल्याणक की क्रियाएं की गईं जिसमें प्रात: पात्र शुद्धि, अभिषेक, शन्तिधारा, नित्य महापूजन के साथ आरंभ हुयीं। तीर्थंकर भगवान को प्रात: मोक्ष की प्राप्ति हुई। जैसे ही तीर्थंकर भगवान के मोक्ष जाने की घोषणा प्रतिष्ठाचार्य ने की उपस्थित सैकड़ों भक्तों ने जयकारों से आकाश गुंजायमान कर दिया, लोग खुशी से नृत्य करने लगे। विविध प्रकार के वाद्ययंत्र बजाए गए। मोक्ष कल्याणक की पूजन की गई। आयोजन के अंतिम दिन विश्व शांति की कामना के साथ विश्व शांति महायज्ञ पूर्णाहुति हवन किया गया। शांतिपाठ और विसर्जन भी किया गया। इस मौके पर मुनि श्री सुप्रभ सागर जी मुनिराज ने अपने प्रवचन में कहा कि वास्तव में मोक्षगमन जैन दर्शन के चिंतन की चरमोत्कृष्ट आस्था है जो प्रत्येक हृदय में फलित होना चाहिए। मोक्षगमन को देखना इस निश्चय को दोहराना है कि जीवन के सभी कार्य तब तक सफल नहीं कहे जा सकते जब तक उसका अंतिम लक्ष्य मोक्षगमन न हो। -**सुनील जैन**

धान नहीं खरीदने का षड्यंत्र रच रही विष्णुदेव सरकार : दीपक बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार धान नहीं खरीदने का षड्यंत्र कर रही है। विष्णु देव साय सरकार की नई नीति से स्पष्ट है कि वह किसानों से धान खरीदी कम करना चाहती है। इस बार 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है. इसके लिए 14 नवंबर से 31 जनवरी तक का समय निर्धारित है. शनिवार, रविवार और सरकारी छुट्टियों को घटाकर कुल 47 दिन मिल रहे हैं। इसका मतलब यह है कि प्रति दिन सरकार को लगभग साढ़े तीन लाख मिट्रिक टन की खरीदी प्रति दिन करनी होगी, तब जाकर लक्ष्य पूरा होगा। वर्तमान में जिस रफ्तार से धान खरीदी हो रही है उसमें लक्ष्य प्राप्त करना असंभव लग रहा। सोसाइटियो को निर्देश है कि एक दिन में अधिकतम 752 क्विंटल यानी 1880 कट्टा धान ही खरीदा जाना है। ऐसे में एक किसान का शेष धान के लिये उसको आगामी दिनों की तारीख दी जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार ने यह घोषणा किया है कि 72 घंटे में किसानों के खाते में पैसा आयेगा, लेकिन जो लोग 14 नवंबर को धान बेचे थे, उनके खाते के रकम नहीं आया है, जो रकम आ रहा है वह एक मुश्त 3100 नहीं है। सिर्फ 2300 रू. प्रति क्विंटल ही आ रहा है। (जो समर्थन मूल्य है उतना) आगे कहा कि अनावरी रिपोर्ट गलत बनाया जा रहा जिसके आधार पर मात्र 9 से 12-14 क्विंटल धान खरीदा जा रहा। किसानों से पूरा 21 क्विंटल धान नहीं खरीदा जा रहा है। बीज उत्पादक किसानों से सोसायटी में धान नहीं खरीदा जा रहा। सोसायटी में सूचना चस्पा किया गया है कि बीज उत्पादक किसानों का धान नहीं लिया जायेगा। सोसायटी में बारदाना की कमी है किसान परेशान है। सरकार ने कहा है कि 50 प्रतिशत नये 50 प्रतिशत पुराने बारदानों का उपयोग किया जाये। 50 प्रतिशत पुराने बारदाने समितियों में पहुंचे ही नहीं है, जिसके कारण धान खरीदी बाधित हो रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धान खरीदी केन्द्रो में टोकन नहीं जारी किया जा रहा है किसान घंटो खड़े रहते है। आनलाईन टोकन सिस्टम के कारण किसानों को 15 दिन बाद का भी टोकन नही मिल रहा है। धान की कीमत का भुगतान 3217 रुपए में करें क्योंकि 3100 रुपए भाजपा ने अपने चुनावी वायदे में कहा था। केन्द्र सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 117 रुपए बढ़ा दिया है। इस कारण इस वर्ष धान की खरीदी 3100 रुपए से बढ़ाकर 3217 रुपए किया जाये। कांग्रेस के समय भी कांग्रेस ने धान का समर्थन मूल्य 2500 देने का वादा किया था लेकिन समर्थन मूल्य बढ़ने पर कांग्रेस ने 2640 रुपए में धान खरीदी किया था।

जिले में नशे के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान

रायपुर (आरएनएस)। जिले की शैक्षणिक संस्थानों के करीब में नशे की सामाग्री का व्यापार करने वालों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन नगर निगम की संयुक्त टीम ने आज 100 से अधिक स्कूलों के बाहर और नशे के सामान बेचने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई की और 2 से 3 लाख रूपये तक जुर्माना लगाया। जहां से लगभग दो कार्टून सिगरेट, 5 बोरी गुटखा और एक बॉक्स गुडाखू जब्त किया है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने नशे के विरूद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। इसी तारतम्य कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देश पर सयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई की जा रही है। आज अटारी सहित अन्य स्कूलों के आस-पास जांच टीम पहुंची कार्रवाई से साथ समझाईश भी दी गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना में निर्माणाधीन मकानो का औचक निरीक्षण करने पहुंचे आयुक्त

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत नगर निगम भिलाई के विभिन्न हाउसिंग क्षेत्रों में मकान का निर्माण किया जा रहा है। जिनमें मोर मकान-मोर आस, मोर मकान-मोर चिन्हारी एवं बीएलसी मोर जमीन-मोर मकान मकानों में हो रहे निर्माण का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित एजेंसी चंद्रनिर्मल प्राईवेट लिमिटेड एवं गोयल ट्रेडर्स जिसे मकान निर्माण का काम दिया गया है, उनको निर्माण कार्य समय अवधि में गुणवत्तापूर्ण कार्य करने हेतु निर्देशित किये। साथ ही कहा कि रोड़, नाली, पानी, बिजली की व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए। छत्तीसगढ़ विद्युत विभाग से कार्यपालन अभियंता नवीन राठी भी वहां उपस्थित थे, उनको मकान निर्माण के दौरान विद्युत व्यवस्था मार्च में ही पूर्ण करने के बारे में आयुक्त से चर्चा हुई। तो उनको द्वारा बताया गया कि सीएसईबी निविदा प्रक्रिया में विलम्ब होने के कारण ट्रांसफार्मर नहीं लग पाया, जिससे विद्युत व्यवस्था की प्रतिपूर्ति नहीं हो पाई, जिसे शीध्र पूर्ण करने को कहा।

कार्यपालन अभियंता विनिता वर्मा एवं एजेंसी के अभियंता को आयुक्त पाण्डेय ने निर्देशित किये कि समय-समय पर आकर कार्यो का निरीक्षण करें। जैसे-जैसे मकानो का निर्माण पुरा होते जाए, हम लॉटरी के माध्यम से उसको आबंटित करते जाएगें। प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की अति महत्वकांक्षी योजना है। इसको समय अवधि में पूर्ण करना है। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जावेगी। कुछ मकान जो पूर्व में आबंटित हो चुके है, वहां पर निवासरत हितग्राहियो से जानकारी प्राप्त किये। वहां पर रहने पर किसी प्रकार की असुविधा या परेशानी तो नहीं हो रही है। हितग्राही भगवंतीन द्वारा बनाया गया कि उन्हे मकान में रहकर बहुत अच्छा लग रहा है मैं बालकनी से खड़े होकर बाहर देखती हुँ, तो बहुत अच्छा लगता है। कभी नहीं सोची थी कि मेरे मकान में भी बालकनी, शौचालय, बाथरूम, किचन होगा। आयुक्त ने सभी से सफाई व्यवस्था बनाये रखने, अपने घरो से निकलने वाली सूखे एवं गीले कचरे को अलग-अलग देने कहा।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत धनसुली रायपुर में स्थित भवन **क्रमांक एल.आई.जी. -372, श्री मुकेश वर्मा पिता - स्व.श्री एस.पी. वर्मा,** के नाम पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 30/12/2009 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आबंटन आदेश प्राप्त कर लिया है। आबंटी द्वारा दिनांक 12/02/2020 को हस्तांतरण विलेख (फ्री होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है, हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को **क्रेता श्रीमती कीर्ति वर्मा पति - श्री मनोज कुमार वर्मा, निवासी ग्राम सोनतरा, रायखेड़ा, तहसील तिल्दा, जिला रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में दिनांक 24/02/2021 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में **क्रेता श्रीमती कीर्ति वर्मा पति - श्री मनोज कुमार वर्मा,** द्वारा उक्त भवन को फ्री होल्ड पश्चात् अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं।

अतः उक्त भवन का फ्री-होल्ड उपरांत मण्डल अभिलेख में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **दीनदयाल आवास कॉलोनी सेजबहार/दतरेंगा, रायपुर** में स्थित भवन क्र. **एल.आई.जी.-1387, 1. श्रीमती कोमल देवी मयानी पति श्री सतराम दास मयानी, 2. श्रीमती संगीता दीक्षित पति श्री कपिल दीक्षित** के संयुक्त नाम आबंटित है। आबंटियों द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 24.05.2013 को सेलडीड पंजीकृत करा लिया गया है। वर्तमान में सह आबंटी **क्रमांक 1. श्रीमती कोमल देवी मयानी पति श्री सतराम दास मयानी, निवासी मकान नं.-सी. 139, सेक्टर-5, कमल विहार देवपुरी, रायपुर द्वारा सहआबंटी क्रमांक-2. श्रीमती संगीता दीक्षित पति श्री कपिल दीक्षित, निवासी-1387 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में हकत्याग करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के हकत्याग करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-3, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी खिलौरा, रायपुर, में दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित भवन **क्रमांक-एल.आई.जी.-117, श्रीमती होरी बाई चन्द्रवंशी पति स्व.श्री बिहारी लाल चन्द्रवंशी, पता: जुनियर एम.आई.जी-65, सेक्टर-03, डी.डी. यू नगर रायपुर (छ.ग.),** को इस कार्यालय के नामातंरण आदेश **क्रमांक 301 दिनांक 08.07.2011** के माध्यम से नामांतरित है, नामांतरित आंबटी की मृत्यु दिनांक 04.12.2021 को होने के उपरांत उनके **पुत्र श्री दिनेश कुमार चन्द्रवंशी पिता स्व. श्री बिहारी लाल चन्द्रवंशी, पता जुनियर एम.आई.जी-65, सेक्टर-03, डी.डी.यू नगर रायपुर (छ.ग.),** द्वारा आवेदन, पारिवारिक सहमति पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन अपने नाम से नामांतरण हेतु आवेदन किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भवन **श्री दिनेश कुमार चन्द्रवंशी पिता स्व. श्री बिहारी लाल चन्द्रवंशी पता जुनियर एम.आई.जी-65, सेक्टर-03, डी.डी.यू नगर रायपुर (छ.ग.),** के नाम पर मृत्यु उपरांत नामांतरण किया जाना हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को उक्त भवन भूखण्ड के मृत्यु उपरांत नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-3, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

अपने घर से बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाना शुरू करें- मितानिन बहनें

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। 70 प्लस वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य नगर निगम भिलाई क्षेत्र में निरंतर चल रहा है। अभी तक 900 से अधिक 70 प्लस के बुजुर्ग व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इसको और गति देने के लिए नगर निगम भिलाई की सभागार में मितानिन बहने, ट्रेनर एवं मल्टीपर्पज हेल्थ वर्कर की गई की ट्रेनिंग आयोजित की गई। उन्हें बताया गया कैसे हम मोबाइल के माध्यम से रजिस्टर्ड करने के बाद हितग्राहियों को घर घर जाकर आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं।

70 प्लस आयुष्मान कार्ड सभी वर्ग के लोगों का बन रहा है, इसमें ?500000 तक का नेशनल चिकित्सा बीमा प्रदान किया जाता है। आयुष्मान कार्ड द्वारा शासन द्वारा निर्धारित प्रमुख अस्पतालों में निशुल्क इलाज करवाया जा सकता है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा आवाहन किया गया, कि सबसे पहले अपने घर के बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाना शुरू करें। फिर उसके बाद अपने अड़ोस-पड़ोस, मोहल्ले के घर.घर जाएं आयुष्मान कार्ड बनाएं, हमारे नगर निगम में 26000 से अधिक लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाना है, इसमें शीघ्रता लाना है। निर्धारित अवधि के अंदर हम सब अपने लक्ष्य को पाना है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन एवं महापौर नीरज पाल आवाहन किया है कि प्रधानमंत्री जी द्वारा बहुत ही अच्छी योजना लाई गई है। सभी बुजुर्गों के बहुत उपयोगी है 70 प्लस के बड़े बुजुर्गों को इलाज में बहुत लाभ मिलेगा। हम लोग वार्डों में शिविर लगाएंगे, घर.घर जाएंगे। आयुष्मान कार्ड बनवाएंगे भिलाई नगर के निवासियों से अपील है। कि अपने घर के बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाने के लिए प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित रहे समन्वयक देवेश त्रिवेदी मैनेजर, अमन पटले आदि उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने...पेज 01 का शेष

8 दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों राजनांदगांव, धरसींवा अभनपुर, पाली, सिमगा, सुकमा, बेमेतरा और पत्थलगांव में ट्रामा स्टेब्लाईजेशन यूनिट निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है। 14 हजार 261 वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस, 72 हजार से अधिक वाहनों में स्पीड गवर्नर तथा 2200 बसों में पेनिक बटन लगाए गए हैं। बैठक में ब्लैक स्पॉट की पहचान, सुधार की कार्यवाही, सड़कों में यातायात संकेतक, होर्डिंग्स हटाने, फुटपाथ, पार्किंग, सर्विस लेन से अतिक्रमण हटाने आदि कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, स्कूल शिक्षा सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, श्री बसव राजू एस. और श्री राहुल भगत, परिवहन विभाग के सचिव श्री एस. प्रकाश आदि उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16098/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 29-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16098
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801N00377** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **G. CHANDRASHEKHAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **P. PAPAYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **G. MOHAN RAO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **G. CHANDRASHEKHAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 30 नवंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

शिवालय में प्रतिमाएं तोड़ने वाला आरोपी पहुंचा जेल

कांकेर(विश्व परिवार)। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 27.11.2024 प्रार्थी वासुदेव नेताम पिता स्व. तीजूराम नेताम उम्र 60 वर्ष सा. भंडारीपारा कांकेर का थाना उपस्थित आकर जबानी बताकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह भंडारीपारा जाने वाले दूध नदी किनारे बरगद पेड़ के पास स्थित शिवालय मंदिर का पुजारी है मंदिर में प्रतिदिन भंडारीपारा एवं मनकेसरी के आम नागरिक भक्तिभाव से पूजा अर्चना करते हैं। दिनाँक 27.11.24 को शाम करीब 05:30 बजे पूजा करने के लिए शिवालय मंदिर आ रहा था तो देखा कि भंडारीपारा कांकेर का नेतराम धनकर पिता स्व. विशम्बर धनकर शिवालय में स्थापित शंकर जी की शिवलिंग एवं हनुमान जी की मूर्ति को तोड़ने की कोशिश कर रहा था मूर्ति नहीं टूटने पर उठाकर फेंक दिया है, जिससे विभिन्न समुदाय के लोगों के बीच धार्मिक सौहाद्र बिगाड़ने की कोशिश कर उपासना के स्थान को क्षति एवं अपवित्र करने की घटना के सबंध में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक - 417 /र -196 (1), 298 कायम कर विवेचना में लिया गया।आरोपी द्वारा उक्त घटना शराब के नशे में किया जाना ज्ञात हुआ। कार्यवाही पूर्ण कर आरोपी नेतराम धनकर के विरूद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाये जाने पर दिनांक 28.11.2024 को गिरफ्तार कर न्यायालय कांकेर पेश किया गया जहां न्यायालय द्वारा आरोपी को न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया है।इस कार्य में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. के. एलेसेला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिन्हा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर मोहसीन खान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कांकेर निरीक्षक मनीष नागर ,उप निरीक्षक सोमेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक सत्यप्रकाश सिंह, आर. अरूण मंडावी, आर.संतोष मरकाम, आर. अलख मरकाम, एवं महिला आरक्षक गणेश्वरी कोड़ोपी एवं सविता नाग की अहम भूमिका रहा है ।

आवास मित्र का चयन पारदर्शी की जा रही: हरिशंकर चौहान

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (विश्व परिवार)। आवास मित्र चयन में अनियमितता शीर्षक से मीडिया में प्रसारित के संबंध में जिला ग्रामीण विकास प्रशासन योजना कार्यालय सारंगढ़ बिलाईगढ़ के परियोजना निदेशक हरिशंकर चौहान ने कहा है कि आवास मित्र चयन में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं की गई है। विज्ञापन में दिए गए शर्तों के आधार पर संबंधित क्लस्टर के जिस आवेदक का अंक अधिक होगा, उसका ही मेरिट आधार पर चयन होगा। जिले के कुछ पंचायतों में प्राप्त शिकायत में ऐसे गांव की बेटी का नाम है, जिसका अन्यत्र विवाह हुआ है। आवेदक वर्तमान में उस ग्राम पंचायत या क्लस्टर में निवासरत नहीं है, के संबंध में यह बताना चाहूंगा कि संबंधित के दस्तावेज के आधार पर चयन किया गया है, जिसे दावा आपत्ति के समय में शिकायत नहीं की गई है, फिर भी सीईओ जनपद पंचायतों को जांच कर चयन एवं कार्य आदेश जारी करने का निर्देशित किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास मित्र समर्पित मानव संसाधन के चयन के लिए 9 सितंबर 2024 तक आवेदन स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित किया था, जिसका 4 अक्टूबर 2024 तक दावा आपत्ति के लिए 28 सितंबर 2024 को समाचार जारी किया गया था। जिन आवेदक के संबंध में वर्तमान में शिकायत हुई है, उनका दावा आपत्ति के समय शिकायत नहीं किया गया था। बिलाईगढ़ ब्लॉक में भर्ती की गई है, अन्य ब्लॉक में मेरिट सूची के दस्तावेज सत्यापन के बाद आवास स्वीकृत के आधार पर क्रमश: आवास मित्र का चयन किया जा रहा है।

सरकारी नौकरी के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। प्रार्थी योगेश कुमार धृतलहरे निवासी ग्राम पौसरी द्वारा लिखित आवेदन प्रस्तुत करते हुए थाना सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि मेरे गांव का ज्ञानेश्वर, जो कि वर्तमान में भरसेली में रहता है, जो की 10.01.2024 में वन विभाग में भृत्य की नौकरी दिलाने के नाम पर अलग-अलग किस्तों में मुझसे ?2,40,000 लिया है। आरोपी द्वारा वन विभाग के ऑफिस में घूमाकर एवं उच्च अधिकारियों से जान पहचान होने का झांसा देकर मुझे शासकीय नौकरी लगने का भरोसा दिलाया एवं जॉइनिंग लेटर मिलेगा बताया जो आज तक नहीं मिला। कि रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 881/2024 धारा 420 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी ज्ञानेश्वर धृतलहरे को हिरासत में लिया गया, जिससे पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा प्रार्थी युवक से वन विभाग में भृत्य की नौकरी के नाम पर 2,40,000 रकम लेना स्वीकार किया गया। कि प्रकरण में आरोपी को आज दिन अंक 28.11.2024 को विधिवत गिरफ्तार कर, न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

ग्राम भोगाम, एवं समेली में समूह के दीदियों ने स्थानीय व परंपरागत सामग्रियों का स्वादिष्ट पकवान परोसा

जैविक उर्वरक निर्माण में भी महिलाओं ने किया बेहतर प्रदर्शन

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। ऑर्गेनिक दंतेवाड़ा कांक्लेव अंतर्गत संकुल स्तरीय परंपरागत देशी व्यंजन प्रतियोगिता एवं जैविक खेती प्रतिस्पर्धा का आयोजन ग्राम पंचायत समेली एवं ग्राम भोगाम में आयोजित की गई। ज्ञात हो कि ऑर्गेनिक दंतेवाड़ा कांक्लेव के अंतर्गत स्व सहायता समूहों के मध्य परंपरागत देशी व्यंजन प्रतियोगिता एवं जैविक खेती प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें स्व सहायता समूह के दीदियों द्वारा देशी व्यंजन प्रतिस्पर्धा में उत्साहपूर्वक भागीदारी दी जा रही है। इस क्रम में ग्राम भोगाम में दीदियों ने स्थानीय व परंपरागत सामग्रियों से स्वादिष्ट पकवान प्रस्तुत किए। साथ ही जैविक खेती प्रतिस्पर्धा में स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित जीवामृत, हांडी दवा, घना अमृत, बीज अमृत गोबर खाद भी स्पर्धा में शामिल थे। साथ ही संकुल के दीदियों द्वारा कुर्सी दौड़ व रस्सा खीच प्रतियोगिता भी आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथियों द्वारा जैविक कृषि से जुड़ने के लिए सभी स्व सहायता समूह की महिलाओं को प्रेरित करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिसमें व्यंजन प्रतियोगिता अंतर्गत प्रथम स्थान पर माड़काराज जैविक कृषि समूह कमालूर, शिवानी स्व सहायता समूह भोगाम, द्वितीय स्थान तथा माँ बम्लेश्वरी स्व सहायता समूह पांडेवार तृतीय स्थान हासिल किया। जैविक खेती प्रतिस्पर्धा अंतर्गत प्रथम स्थान पर संतोषी स्व सहायता समूह भोगाम, द्वितीय स्थान पर सरस्वती स्व सहायता समूह पांडेवार, और तीसरा स्थान नेहरू स्व सहायता समूह कंवलनार पर रहा। इसके अलावा ग्राम समेली में प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई जिसमें व्यंजन प्रतियोगिता अंतर्गत प्रथम स्थान पर हिता पुगर स्व सहायता समूह तनेली, द्वितीय स्थान पर वैष्णवी स्व सहायता समेली, तृतीय स्थान शंकर स्व सहायता समूह जबेली ने जीत हासिल किया। 'जैविक खेती प्रतिस्पर्धा में भीमा स्व सहायता समूह पोटाली प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नियद नेल्लानार योजना : माओवाद प्रभावित ग्रामों को शासन की योजनाओं से जोड़ने अनूठी पहल

संवेदनशील ग्रामों में भी अब उपलब्ध हो रहा शुद्ध पेयजल

कांकेर(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बस्तर संभाग के संवेदनशील एवं माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए नियद नेल्लानार योजना लागू की है, जिसके तहत विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं की पहुंच चयनित गांवों में सुनिश्चित की जा रही है। योजनांतर्गत जिले के कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के क्लस्टर ग्राम पानीडोबीर सहित 07 गांवों में जिला प्रशासन द्वारा सतत् विकास कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है। शत-प्रतिशत ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने लगातार कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत सड़क सम्पर्क, पुल-पुलिया निर्माण, आधार एवं राशन कार्ड बनाने, वन अधिकार पट्टा देने सहित स्वास्थ्य, विद्युत और पेयजल जैसी अनेक आवश्यक सेवाओं व सुविधाओं को सुलभ एवं सुचारू बनाने के भगीरथ प्रयास प्रशासन द्वारा किए जा रहे हैं। नियद नेल्लानार योजना के तहत चयनित ग्राम पानीडोबीर सहित आलपरस, हेटारकसा, गुन्दूल, अलपर, जुगड़ा और चिलपरस के ग्रामीणों को जलजीवन मिशन के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहयोग से क्रेडा द्वारा सोलर (सौर उर्जा) आधारित ड्यूल पंपों की स्थापना की गई है। सहायक अभियंता क्रेडा ने बताया कि जलजीवन मिशन के तहत नल-जल योजना से जिले के नियद नेल्लानार योजनांतर्गत चिन्हांकित 07 गांवों में 14 नग सोलर आधारित ड्यूल पंपों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि चयनित ग्राम पानीडोबीर में 01 नग, आलपरस में 03, हेटारकसा में 02, गुन्दूल और मर्राम में 02, अलपर में 01, जुगड़ा में 02 तथा ग्राम चिलपरस में 03 नग, इस प्रकार कुल 14 सोलर आधारित ड्यूल पंपों की स्थापना का कार्य क्रेडा द्वारा पूर्ण कर लिया गया है, जिससे ग्रामवासियों को शुद्ध पेयजल मिलने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में कुएं और हैण्डपंप से पानी भरना पड़ता था, जिसमें अतिरिक्त मेहनत के साथ ही काफी समय भी लगता था। वहीं गर्मी के दिनों में भूजल स्तर में गिरावट आ जाने से गांव के अधिकांश कुएं सूख जाते थे और पानी की शुद्धता भी बहुत अच्छी नहीं रहती थी। सोलर आधारित ड्यूल पंपों की स्थापना के बाद अब हर घर नल-जल कनेक्शन से ग्रामवासियों के प्रत्येक घर में स्वच्छ और शुद्ध पेयजल आपूर्ति हो रही है। इससे ग्रामीणों में शासन की योजनाओं के प्रति विश्वसनीयता बढ़ी है, साथ ही दैनिक जीवन में आशातीत व सकारात्मक परिवर्तन दृष्टिगोचर हो रहा है।

छात्रों व अभिभावकों पर बोझ न डाले विश्वविद्यालय - रेखचंद जैन

जगदलपुर(विश्व परिवार)। शहीद महेंद्र कर्मा बस्तर विश्वविद्यालय फीस दोगुनी कर छात्रों व अभिभावकों पर बोझ डालने का काम न करे। पूर्व विधायक रेख चंद जैन ने दो टूक शब्दों में कहा कि शिक्षा नीति की आड़ में बस्तर के छात्र- छात्राओं का यह आर्थिक शोषण बर्दास्त नहीं किया जाएगा। इससे आदिवासी बाहुल्य बस्तर क्षेत्र के हजारों विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। यह अब तक मात्र सवा सौ छात्रों का फार्म भरना इस बात का प्रमाण है कि विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय का यह निर्णय पसंद नहीं आया है। कार्य परिषद के पूर्व सदस्य जैन ने इस निर्णय की मंजूरी कार्य परिषद से न लिए जाने पर भी आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने मांग की है कि विश्वविद्यालय प्रशासन को यह बताना चाहिए कि विद्या परिषद व कार्य परिषद में यह विषय कब लाया गया था ? बस्तर संभाग के सात जिलों में विस्तारित विश्वविद्यालय के इस विवेकहीन व अदूरदर्शी निर्णय का असर विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों पर कितना पड़ेगा इस दिशा में विचार न किया जाना साबित करता है कि अफसरशाही कितनी हावी है। पूर्व विधायक ने कहा कि छात्र हित में फीस बढ़ोत्तरी का निर्णय तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। उन्होने विश्वविद्यालय प्रशासन से कहा है की वह पुलिस के द्वारा छात्र नेताओं को डराने- धमकाने की अपनी मानसिकता का भी त्याग करे अन्यथा इसके दुष्परिणाम भुगतने को तैयार रहे। पूर्व विधायक जैन ने कहा है कि फीस बढ़ोतरी जिस विद्या परिषद व कार्य परिषद से मंजूरी की प्रत्याशा में की गई है, वह शर्मनाक व खेद जनक इस लिहाज से है कि राज्य की सत्ता में आने के लगभग एक साल बाद भी प्रदेश सरकार कार्य परिषद के सदस्यों का नाम फाईनल नहीं कर पाई है।

चिताय बघेल की चिंता हुई दूर, अब पानी के लिए नहीं जाना पड़ता है घर से बाहर

जगदलपुर(विश्व परिवार)। सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं में एक महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन। छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के तहत घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए नि:शुल्क घरेलू नल कनेक्शन देने का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बस्तर जिले के 543 गांवों में जल जीवन मिशन के तहत कार्य किया जा रहा है। विकासखण्ड बकावंड के ग्राम करितगांव में जल जीवन मिशन योजना की लाभार्थी चिताय बघेल ने कहा कि घर में नल कनेकशन मिल जाने से उसे और उसके परिजनों को बहुत लाभ मिला है। चिताय ने बताया कि मैं 55 बरस की हूं, बचपन से शारीरिक रूप से कमजोर होने के कारण (प्राकृतिक बौनापन) लोग उसे एक बित्ता कह कर पुकारते हैं। अब तो अपना असली नाम ही भूल गई हूं। वह अपने माता पिता के घर में रह रही हैं उनके दो भाई थे जो अब इस दुनिया में नहीं हैं, भाईयों के बच्चों के साथ रह रही हैं। उन्होंने बताया कि हाथ पैर छोटे-छोटे होने के कारण बचपन से लोग मेरा मजाक उड़ाते थे जिसके कारण पढ़ाई नहीं कर पाई। सरकार द्वारा दिव्यांगता पेंशन के तहत पांच सौ रुपए मिलता है। मेरा कद सामान्य नहीं होने के कारण घर से दूर बोरिंग से पानी लाने में मुझे तकलीफ होती थी, एक हाथ जमीन में रखकर छोटे से बर्तन में पानी लाती थी। रुआंसी आँखों के साथ चिताय बताती हैं कि अब मेरे घर में नल कनेक्शन से पानी आ रहा है।

रूचि के आधार पर करें करियर का चयन - कलेक्टर

कक्षा बारहवीं के बाद बेहतर भविष्य चयन के लिए करियर काउंसलिंग का हुआ आयोजन

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के अधिकारियों ने स्कूली बच्चों को करियर गाइडेंस प्रदान करने के लिए गरियाबंद के वन विभाग ऑक्सन हॉल में करियर काउसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के कक्षा 12वीं में पढ़ने वाले बच्चों ने भाग लेकर 12वीं के बाद बेहतर भविष्य के लिए सफलता के मूलमंत्र सीखे। कार्यक्रम में कलेक्टर दीपक अग्रवाल, एसपी निखिल राखेचा सहित विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षाविद व सैन्य विशेषज्ञ ने बच्चों को बेहतर और सुनहरे भविष्य के लिए उत्कृष्ट सुझाव दिये। साथ ही करियर चयन में होने वाली दुविधाओं का भी निराकरण किया। बच्चों ने विषय विशेषज्ञों से विभिनन प्रकार के करियर से संबंधित सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासा शांत किये। इस अवसर पर कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि बच्चों को सही दिशा में भविष्य गढ़ने में सहायता करने के लिए करियर काउसलिंग का आयोजन किया गया है। उन्होंने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कक्षा 12वीं के बाद अपनी रूचि के आधार पर ही करियर का चयन करें। किसी की देखा-देखी एवं बहकावे में आकर जल्दबाजी में करियर का चयन नहीं करना चाहिए। अपनी प्राथमिकता एवं भविष्य को ध्यान में रखते हुए उत्कृष्ट क्षेत्र का चयन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी को स्वयं के प्रति ईमानदार होना चाहिए। पहले लक्ष्य निर्धारित कर उसकों हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। किसी भी स्थिति में अपने लक्ष्य के प्रति शंका नहीं होनी चाहिए। कड़ी मेहनत और ईमानदारी से कार्य करने से निश्चित ही सफलता मिलती है। इस अवसर पर गरियाबंद एसडीएम राकेश गोलछा, राजिम-छुरा एसडीएम विशाल महाराणा, एचओडी स्पोर्ट्स विभाग पंडित रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर चन्द्रकांत अगस्तया, एक्स आर्मी आफिसर पूरन पुसारिया, न्यूक्लियर वैज्ञानिक किंग चौबे, मेडिकल अधिकारी डॉ. इंदिरा कपिल, तहसीलदार मयंक अग्रवाल, नायब तहसीलदार डोनेश साहू, नायब तहसीलदार सु अवंतिका गुप्ता, बीईओ गजेंद्र ध्रुव, एपीओ सृष्टि मिश्रा ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को करियर से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किये। करियर काउसलिंग कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक आईपीएस राखेचा ने बच्चों को सिविल सर्विस की तैयारी के लिए विभिन्न सुझाव दिये।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बनने से सरजूराम का हुआ सपना पूरा

पक्का मकान में सरजूराम का परिवार सुरक्षित और स्वस्थ

सरकार ने परिवार के मुखिया की तरह हमें सुरक्षित रखने दिया पक्का मकान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को दिया विशेष धन्यवाद

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। परिवार के मुखिया का सपना होता है कि वे अपने परिवार को सुरक्षित और स्वस्थ रखे। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सरजूराम साहू का पक्का मकान बनने से उनका परिवार सुरक्षित और स्वस्थ महसूस कर रहा है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मुड़पार निवासी सरजूराम साहू ने बताया कि केन्द्र एवं राज्य शासन ने एक परिवार के मुखिया की तरह हमें सुरक्षित रखने के लिए पक्का मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उपलब्ध कराया है। इससे हमारा परिवार सुरक्षित एवं स्वस्थ महसूस कर रहा है। सरजूराम साहू ने कहा कि पक्का मकान बनाने की एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी, जो प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पूरा हुआ। उन्होंने बताया कि वे आर्थिक परिस्थिति अच्छी नहीं होने के कारण पक्का मकान नहीं बना पा रहे थे। सरजूराम साहू ने बताया कि उनके परिवार में 5 सदस्य हैं। उनका परिवार एक कच्चे मकान में जीवन व्यतीत कर रहा था। बरसात के मौसम में मकान में पानी टपकना, मकान में पानी का भराव, आंधी-तूफान में घर के गिरने का डर और जीवन की अन्य कठिनाइयाँ उनके साथ हमेशा जुड़ी रहती थीं। इसके साथ दीवारों में नमी होने से परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य खराब होता था। आर्थिक तंगी के कारण वे पक्का मकान बनाने में असमर्थ थे, लेकिन उनका हमेशा से सपना था कि एक दिन उनके पास भी पक्का मकान होगा, जहाँ उनका परिवार सुरक्षित और आराम से रह सकेगा। सरजूराम साहू ने बताया कि उनको जब प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पक्का मकान बनाने का अवसर मिला, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने तत्काल योजना का लाभ उठाते हुए अपने परिवार के लिए एक सुरक्षित और मजबूत घर का निर्माण किया। घर में शौचालय का निर्माण किया गया है, जिसका उपयोग किया जा रहा है। इस योजना ने न केवल उनके जीवन की कठिनाईयाँ दूर की बल्कि उनके आत्म-सम्मान और सुरक्षा की भावना को भी बढ़ाया। आज साहू का परिवार एक पक्के मकान में रह रहा है, जहाँ अब बारिश का पानी घर में नहीं घुसता, आंधी-तूफान का डर नहीं है और न ही जीवन की बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ता है। वहीं अब दीवारों में सीलन जैसी समस्या से भी निजात मिली है और परिवार को एक खुशनुमा वातावरण मिला है। वे अब अपने घर में आराम से जीवन यापन कर रहे हैं। इसके साथ ही शासन द्वारा नि:शुल्क राशन, जल जीवन मिशन के तहत स्वच्छ जल, उनकी पत्नि को मतहारी वंदन योजना से एक हजार रूपए प्रति माह मिल रहा है और शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हो रहे है। सरजूराम साहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का विशेष धन्यवाद करते हुए कहा कि जिनकी मदद से उनका यह सपना पूरा हो पाया।

मोटर इंश्योरेंस में तेजी से बढ़ रही टियर दो और तीन शहरों की भागीदारी

मुंबई(एजेंसी)। भारत में निजी उपभोग बढ़ने के कारण टियर 2 और 3 शहर मोटर इंश्योरेंस सेक्टर के लिए ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहे हैं। यह जानकारी जारी की गई एक रिपोर्ट में दी गई। बढ़ती मोटर इंश्योरेंस की मांग दिखाती है कि देश में वाहनों की संख्या में इजाफा हो रहा है और लोगों में इंश्योरेंस को लेकर जागरूकता आ रही है। इंश्योरटेक प्लेटफॉर्म टर्टलमिंट के आंकड़ों के अनुसार, इन शहरों ने इस साल त्योहारी सीजन में बेची गई पॉलिसियों की संख्या और प्रीमियम राशि में 90 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है। टर्टलमिंट ने कहा कि कंपनी ने अपने बीमा सलाहकारों के बड़े नेटवर्क के माध्यम से 4 लाख से अधिक मोटर बीमा पॉलिसियां जारी की हैं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 2 गुणा से अधिक है। अगस्त से अक्टूबर की अवधि में मोटर बीमा के कुल प्रीमियम में पिछले वर्ष की तुलना में 2.3 गुणा की वृद्धि हुई। डेटा के मुताबिक, जयपुर में मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम में 191 प्रतिशत, इंदौर में 31 प्रतिशत और लखनऊ में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। टर्टलमिंट के सीईओ और सह-संस्थापक, धीरेंद्र मह्यावंशी ने कहा कि भारत का बीमा क्षेत्र विकास पथ पर है, जिसमें मोटर बीमा का महत्वपूर्ण योगदान है। हमारी मोटर पॉलिसी की बिक्री में सालाना आधार पर 85 प्रतिशत वृद्धि हो रही है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि डिस्काउंट और ऑफर के कारण त्योहारी सीजन में रिकॉर्ड वाहनों की बिक्री होती है।

क्रेडिट कार्ड से खर्च अक्टूबर में पहुंचा 2 लाख करोड़ के पार : आरबीआई

नई दिल्ली(एजेंसी)। त्योहारी सीजन के दौरान भारत में क्रेडिट कार्ड से खर्च 2 लाख करोड़ रुपये के पार हो गया, जो कि सितंबर माह की तुलना में 14.5 प्रतिशत अधिक है।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में क्रेडिट कार्ड पर खर्च 2.02 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, सिस्टम में बकाया क्रेडिट कार्ड 12.85 प्रतिशत बढ़कर 106.88 मिलियन हो गए, जो सितंबर से 0.74 प्रतिशत अधिक है। एचडीएफसी बैंक 241,119 क्रेडिट कार्ड जारी कर चार्ट में सबसे आगे रहा, उसके बाद एसबीआई कार्ड्स ने 220,265 कार्ड और आईसीआईसीआई बैंक ने 138,541 कार्ड जारी किए। इस बीच, आरबीआई के मासिक आंकड़ों के अनुसार, यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान में उछाल के कारण, डेबिट कार्ड आधारित लेनदेन अगस्त में लगभग 43,350 करोड़ रुपये से लगभग 8 प्रतिशत घटकर सितंबर में लगभग 39,920 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी ओर, देश में क्रेडिट कार्ड लेनदेन में वृद्धि हुई, जिसमें सितंबर के महीने में लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो अगस्त में 1.68 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.76 लाख करोड़ रुपये हो गई। बाजार के जानकारों के अनुसार, क्रेडिट कार्ड खर्च में वृद्धि पिछले वर्ष और त्योहारी सीजन में लोअर बेस के कारण हुई है, क्योंकि त्योहारी सीजन के दौरान समान मासिक किस्तों जैसी प्रमोशनल स्कीम में तेजी आई है। मार्च 2021 में डिजिटल भुगतान की हिस्सेदारी 14-19 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2024 में 40-48 प्रतिशत हो गई, जिसमें यूपीआई की अहम भूमिका रही। यूपीआई लेनदेन में 75 प्रतिशत सीएजीआर की शानदार गति से वृद्धि हुई है, जबकि अगस्त 2019-अगस्त 2024 की अवधि में यूपीआई खर्च 68 प्रतिशत सीएजीआर की दर से बढ़ा है, क्योंकि कार्ड इंडस्ट्री की वृद्धि धीमी रही है। एक्सिस सिक्योरिटीज की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यूपीआई की बढ़ती लोकप्रियता लेनदेन मात्रा अनुपात से देखी जा सकती है, जो क्रेडिट कार्ड लेनदेन मात्रा का 38.4 गुना है।

चोटिल स्टेफ़नी टेलर भारत दौरे से बाहर, डॉटिन वनडे में वापसी को तैयार

सेंट जोंस (एंटीगा) (एजेंसी)। वेस्टइंडीज़ भारत के आगामी सफ़ेद गेंद दौरे पर ऑलराउंडर स्टेफ़नी टेलर के बिना जाएगी। क्रिकेट वेस्ट इंडीज की रिलीज़ के अनुसार 33 वर्षीय टेलर इस समय इंजरी से रिकवर कर रही हैं और भारत में होने वाले आगामी तीन वनडे और टी20 सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी। दो वर्ष पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर चुकीं डिएंड्रा डॉटिन ने इस साल टी20 वर्ल्ड कप में वापसी की थी और वह अब भारत के दौरे पर वनडे में वापसी करेंगी। उन्होंने अपना अंतिम वनडे मार्च 2022 में खेला था लेकिन सफ़ेद गेंद में उनका हालिया फ़ॉर्म शानदार रहा है। डॉटिन 2024 के टी20 वर्ल्ड कप के दौरान सबसे प्रभावी खिलाड़ी थीं।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा भारतीय किसानों के सशक्तीकरण और उन्हें तकनीक-सक्षम बैंकिंग की ओर उन्मुख करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में 'बड़ौदा किसान पखवाड़ा' के 7वें संस्करण का आयोजन

रायपुर: भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक बैंक ऑफ़बड़ौदा के रायपुर अंचल ने बेमेतरा, छत्तीसगढ़ में 'बड़ौदा किसान पखवाड़ा' के 7वें संस्करण के एक भाग के रूप में मेगा किसान मेले का आयोजन किया। बड़ौदा किसान पखवाड़ा, बैंक का प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम है और जिसका उद्देश्य देश भर के किसानों और ग्रामीण समुदायों के साथ संपर्क स्थापित करते हुए भारतीय किसानों को बैंकिंग और कृषि में प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए प्रेरित करना है। बेमेतरा में आयोजित मेगा किसान मेले का उद्घाटन श्री राजेश मल्होत्रा , मुख्य महाप्रबंधक , बैंक ऑफबड़ौदा ,श्री दिवाकर प्रसाद सिंह , महाप्रबंधक ,रायपुर अंचल प्रमुख , बैंक ऑफबड़ौदा एवं मुख्य अतिथि डॉ.संदीप भंडारकर ,अधिष्ठता ,कृषि विश्वविद्यालय बेमेतरा द्वारा किया गया। राज्य/क्षेत्र में बड़ौदा किसान पखवाड़ा 2024 के दौरान, बैंक ने 130 आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से 15000 से अधिक किसानों से संपर्क किया और लगभग ?65 करोड़ के कृषि ऋण संवितरित/स्वीकृत किए। रायपुर अंचल में रायपुर ,दुर्ग,बिलासपुर और धमतरी क्षेत्र शामिल हैं। इस वर्ष के बड़ौदा किसान पखवाड़ा के हिस्से के रूप में, बैंक ने किसानों के लिए अपनी प्रमुख डिजिटल पेशकशों जैसे - डिजिटल बड़ौदा किसान क्रेडिट कार्ड और डिजिटल गोल्ड लोन का प्रचार-प्रसार किया। बैंक ऑफ़बड़ौदा ने अपने बड़ौदा किसान क्रेडिट कार्ड (क्र्यष्टष्ट) को रिजर्व बैंक इनोवेशन हब के साथ एकीकृत किया है ताकि डिजिटल भूमि रिकॉर्ड और कृषि संबंधी जानकारी प्राप्त करते हुए किसानों को डिजिटल बीकेसीसी ऋण प्रदान किया जा सके। इसमें ग्राहक के ऑनबोर्डिंग से लेकर संवितरण तक की सम्पूर्ण प्रक्रिया एंड-टू-एंड डिजिटल है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोण्डागांव जिला–कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)
Email - ID : ee-res.kondagaon@nic.in, Fax & Ph. No.-07786-242243

मैनुअल पद्धति वर्ष 2024–25 हेतु सूचना क्रमांक – 24 (प्रथम दौर)

जोनल निविदा आमंत्रण

क्रमांक/24/व.ले.लि./नि.प्र./ग्रा.यां.सेवा/2024 कोण्डागांव, दिनांक 28/11/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत 'डी' एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल जोनल निविदा आमंत्रित की जाती है सभी कार्यों की जोनल निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की **अंतिम तिथि 11.12.2024 शाम 5.00 बजे** तक।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	2	3
	जोनल निविदा रू. 10.00 लाख से कम लागत के विभिन्न प्रकार के भवनों में विद्युतीकरण कार्य हेतु –	
1	विकासखण्ड कोण्डागांव	20.00
2	विकासखण्ड माकड़ी	20.00
3	विकासखण्ड फरसगांव	20.00
4	विकासखण्ड केशकाल	20.00
5	विकासखण्ड बड़ेराजपुर	20.00

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट http://res.cg.gov.in दिनांक 30.11.2024 से देखी एवं डाऊनलोड की जा सकती है।

G-242504216/1

पढ़ोगे तो आगे बढ़ोगे

कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
कोण्डागांव,जिला–कोण्डागांव

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग–भानुप्रतापपुर
//निविदा आमंत्रण सूचना//

निविदा विज्ञप्ति क्र. 4262/व.ले.लि./2024–25 भानुप्रतापपुर, दिनांक 27/11/2024

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए मुहरबंद निविदाएँ दो लिफाफा पद्धति से कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग भानुप्रतापपुर के कार्यालय में प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग के द्वारा सड़क/भवन कार्य हेतु नीचे दर्शाये गए दर अनुसूचि के अनुसार प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत के आधार पर स्पीड पोस्ट से आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि :– 12.12.2024 अपरांह 5.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि :– 19.12.2024 अपरांह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :– 20.12.2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत एवं अमानत राशि (लाख में)
T0019	पखांजूर के शासकीय कृषि महाविद्यालय/पुराना भारतीय स्टेट बैंक भवन का पी.पी.जी.एल. शिटेड आहता, फाल्स शिलिंग एवं पेटिंग कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	5.44 4100.00
T0020	जिला कांकेर के तहसील पखांजूर के रामकृष्णपुर में पटवारी कार्यालय सह आवास भवन का बचत निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	6.06 4600.00
T0029	पी.जी. अंतर्गत कांकेर–भानुप्रतापपुर–संबलपुर मार्ग के कि.मी. 33/10 से 35/2, 44, 45 एवं 46 = 4.40 कि.मी. में बी.टी. पेच मरम्मत कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	3.90 3000.00

नोट :– निविदा प्रपत्र दिनांक 12/12/2024 अपरान्ह 5:30 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निम्न अभिलेखों की राजपत्रिय अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित छाया प्रति प्रस्तुत करने के उपरान्त प्राप्त किये जा सकेंगे।

(1) विभाग के पंजीयन की छायाप्रति। (2) जी.एस.टी. पंजीयन की छायाप्रति।
(3) बैंक साल्वेंसी (जारी दिनांक से 12 माह तक वैद्य)
(4) आयकर चुकता प्रमाण–पत्र या विगत तीन वर्षो का आयकर रिटर्न (फॉर्म 16 सरल)
(5) पेन कार्ड की छायाप्रति। (6) ई.पी.एफ. प्रमाण–पत्र की सत्यापित छायाप्रति।
(7) अमानत राशि का लिफाफा एवं निविदा प्रपत्र का लिफाफा अलग–अलग प्राप्त होगा।
(8) T0029 हेतु हॉटमिक्स प्लांट 60–90 टी.पी.एच. का स्वामित्व प्रमाणपत्र। (डब्लूएमएम प्लांट)

अन्य विवरण कार्यालयिन दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है।

कोई भी निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सक्षम अधिकारी का होगा।

G-242504168/1

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स)
संभाग भानुप्रतापपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल की एक उत्तरवर्ती कंपनी)
CIN:U40108CT2003SGC015822
कार्यपालक निदेशक (सिविल–डिस्ट्रीब्यूशन) सी.–1, सी.–2, पावर कंपनी परिसर, डंगनिया, रायपुर
फोन. नं.: 0771–2574626, CECIVIL.CSPDCL@cspc.co.in

क्रमांक/04–03/वितरण/कार्य/2005 रायपुर, दिनांक 25.11.2024

ई– निविदा सूचना

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र.	निविदा विशेषीकरण क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत जीएसटी सहित (रूपए लाख में)	निविदा प्रपत्र की राशि जीएसटी सहित	अमानत राशि	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय	Contractor's eligibility
1	CEC/D/ W/24-25 /41	Necessary repair and maintenance work of control room, CC road and yard at 33/11 KV S/s Kerlapal under (O&M) Dn. Sukma (C.G.)	6.14 Lacs	Rs.6200.00	Rs.2000.00	24.12.2024 Up to 13:00 Hrs.	24.12.2024 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
2	CEC/D/ W/24-25 /42	Repair and maintenance of NF- (17,18,19 and 20) type residential quarter at 132 KV premises Geedam Road Jagdalpur (C.G.)	8.64 Lacs	Rs.8700.00	Rs.2000.00	24.12.2024 Up to 13:00 Hrs.	24.12.2024 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
3	CEC/D/ W/24-25 /43	Repair & maintenance work and providing main Gate, Wicket Gate and Boundary wall fencing at 33/11 Kv Sub station Control Room and Distribution Centre premises Dongargaon City under (O&M) Division Dongargaon (C.G.)	5.73 Lacs	Rs. 5800.00	Rs.2000.00	24.12.2024 Up to 13:00 Hrs.	24.12.2024 13:15 Hrs. onwards	A-I and above as per eligibility Criteria
4	CEC/D/ W/24-25 /44	Repair maintenance and painting work ADM office building Bishunpur Ambikapur (C.G.)	7.92 Lacs	Rs.8000.00	Rs.2000.00	26.12.2024 Up to 13:00 Hrs.	26.12.2024 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
5	CEC/D/ W/24-25 /46	Repair and maintenance, sanitation facility arrangement and store facility arrangement work at Meter Testing division Bhilai functioning at B-3 residential quarter, Bijali Nagar Colony Bhilai-3 (C.G.)	8.93 Lacs	Rs.9000.00	Rs.2000.00	26.12.2024 Up to 13:00 Hrs.	26.12.2024 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
6	CEC/D/ W/24-25 /47	Annual sweeping cleaning work of ADM office building and campus Bishunpur Ambikapur (C.G.)	5.24 Lacs	Rs.5300.00	Rs.2000.00	27.12.2024 Up to 13:00 Hrs.	27.12.2024 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
7	CEC/D/ W/24-25 /48	Construction of Distribution Centre Office building at Kuakonda under O&M Division Dantewada (C.G.)	14.49 Lacs	Rs.14500.00	Rs.2000.00	27.12.2024 Up to 13:00 Hrs.	27.12.2024 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
8	CEC/D/ W/24-25 /49	Construction of Distribution Center office building at Makdi under (O&M) Division Kanker (C.G.)	14.58 Lacs	Rs.14600.00	Rs.2000.00	27.12.2024 Up to 13:00 Hrs.	27.12.2024 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
9	CEC/D/ W/24-25 /50	Construction of Distribution Center office building at Puri under (O&M) Division Kanker(C.G.)	14.58 Lacs	Rs.14600.00	Rs.2000.00	28.12.2024 Up to 13:00 Hrs.	28.12.2024 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
10	CEC/D/ W/24-25 /51	Construction of Distribution Center office building at Randhana under (O&M) Division Kondagaon (C.G.)	14.58 Lacs	Rs.14600.00	Rs.2000.00	28.12.2024 Up to 13:00 Hrs.	28.12.2024 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
11	CEC/D/ W/24-25 /52	Annual watch and ward, care taking & upkeeping of camping house at	5.63 Lacs	Rs.5,700.00	Rs.2000.00	28.12.2024 Up to 13:00 Hrs.	28.12.2024 13:15 Hrs. onwards	A-II and above

1. उक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट **www. Cspdcl.co.in** से भी डाउनलोड की जा सकती है। 2. शुद्धिपत्र/निरस्तीकरण/समयवृद्धि की जानकारी कंपनी के ऊपर उल्लेखित वेबसाईट एवं कार्यालय के सूचनापटल पर देखी जा सकती है।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचाएं।

कार्यपालक निदेशक (सिविल–डिस्ट्रीब्यूशन)
छ.स्टे.पॉ.डिस्ट्री.कं.लिमि.,रायपुर

Samwad-42254/3

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 30 नवम्बर 2024

राज्य वीरता पुरस्कार के लिए आवेदन 02 जनवरी 2025 तक

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश के बच्चों को दिये जाने वाले राज्य वीरता पुरस्कार के लिए 2 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। किसी घटना विशेष में उनके अदम्य साहस के लिए प्रत्येक वर्ष पांच बालक-बालिकाओं को राज्य वीरता पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसके तहत पांच बालक-बालिकाओं को 25-25 हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र पुरस्कार के रुप में प्रदान किया जाएगा। आवेदक जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग में 2 जनवरी 2025 तक आवेदन जमा कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए बालक-बालिका की आयु घटना दिनांक को अधिकतम 18 वर्ष तक होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल रमेन डेका से मनोहर गौशाला के ट्रस्टी अखिल जैन ने सौजन्य भेंट की

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में मनोहर गौशाला खैरागढ़ के ट्रस्टी श्री अखिल जैन ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने गौशाला में विराजित श्री जीरावला पार्श्वनाथ प्रभु के 2901 वें जन्म कल्याणक एवं गौशाला के 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल को आमंत्रित किया। श्री जैन ने चरक ऋषि की पद्धति से निर्मित गोबर की चटाई, गोबर की वैदिक माला और गौ आधारित खेती से उपार्जित प्रथम धान की फसल भेंट स्वरूप उन्हें प्रदान की।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा से आकाशवाणी द्वारा ली गई भेंट वार्ता का प्रसारण आज

रायपुर (विश्व परिवार)। आदिम जाति, अनुसूचित जाति विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा से आकाशवाणी के प्रायोजित कार्यक्रम

बातों-बातों में- धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और जनजातीय कल्याण से संबंधित योजनाओं पर ली गई भेंटवार्ता का प्रसारण 30 नवम्बर को सवेरे 10.30 बजे होगा। यह कार्यक्रम आकाशवाणी केंद्र रायपुर से प्रसारित होगा, इसे छत्तीसगढ़ स्थित आकाशवाणी के सभी केंद्र रिले करेंगे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ एक आदिवासी बहुल राज्य है। जनजातीय वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकार सतत रूप से प्रयासरत है। जनजातीय वर्ग के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। जनजातीय बहुल गांवों के समग्र विकास के लिए हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किया गया है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के बस्तियों में विभिन्न प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना भी संचालित की जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग में नियुक्ति : नौ विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ दस चिकित्सा अधिकारियों की संविदा नियुक्ति आदेश जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने व स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी हेतु पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा पदों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों व चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में 09 विशेषज्ञ चिकित्सकों (संविदा) के साथ बस्तर संभाग के शासकीय अस्पतालों में 10 चिकित्सा अधिकारियों (संविदा) की नियुक्ति की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा आज इन नवीन संविदा चिकित्सा अधिकारियों और संविदा विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना के आदेश जारी किए गए हैं। इन डॉक्टरों को संबंधित जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा जिला चिकित्सालयों में पदस्थ किया गया है। नवीन संविदा चिकित्सा अधिकारी व विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना से त्वरित इलाज में तेजी आएगी और चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा।

विशेषज्ञ चिकित्सकों (संविदा) के जारी आदेश में डॉ. रमन जोगी को जिला अस्पताल बिलासपुर, डॉ. योगेश कुमार शर्मा जिला अस्पताल दुर्ग, डॉ आकांक्षा गुप्ता जिला अस्पताल जांजगीर चांपा, डॉ नवनीत सिंह ठाकुर जिला अस्पताल (एसएनसीयू) कबीरधाम, डॉ. भावना चौरे जिला अस्पताल खैरागढ़-गंडई-छुईखदान, डॉ नीरज कुमार जिला अस्पताल मुंगेली, डॉ अनिल खापर्डे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिरमिरी, डॉ उमा खापर्डे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिरमिरी, डॉ राजभान प्रजापति जिला अस्पताल सूरजपुर में पदस्थापना की गई है। इसके साथ ही बस्तर संभाग हेतु चिकित्सा अधिकारी (संविदा) के जारी आदेश में डॉ आरूषि शर्मा, डॉ. अंकित सिंह राजपूत, डॉ, भुनेश्वर नेताम, डॉ शिवानी कोर्राम, डॉ, सुब्रत मल्लिक, डॉ. आकांक्षा दारियो, डॉ. रोहिणी राणा, डॉ. यामिनी कांगे, डॉ. अनिल कुमार पटेल व डॉ कुनाल सिंह साहू को बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों में पदस्थ किया गया है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से 5 कर्मचारियों की भावभीनी विदाई

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के सेवाभवन में ट्रांसमिशन कंपनी के 5 अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा प्रशस्ति पत्र, घड़ी, शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई।

इस अवसर पर कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री अरविंद कुमार सोलोमोन, रायपुर, लाइन सहायक श्रेणी-एक, श्री अशोक कुमार साहू, भिलाई, लाइन सहायक श्रेणी-दो, श्री सीताराम साहू, भिलाई, लाइन परिचारक श्रेणी-एक, श्री हसेंद्र कुमार वर्मा, भिलाई, फार्मासिस्ट श्री मूल सजीवन शर्मा, रायपुर को सेवानिवृत्ति पश्चात् विदाई समारोह में सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री के.एस.मनोठिया, श्री एम.एस.चौहान, श्री संजय पटेल, श्री डी.के. तुली, मुख्य अभियंता श्री जी.आनंद राव, सी.एम.ओ. डॉ. एच.एल. पंचारी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल तथा आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता श्री राजेश सिंह द्वारा किया गया।

मंत्रीद्वय केदार कश्यप और दयाल दास बघेल ने बेमेतरा जिले मे सहकारी बैंक की 04 नवीन शाखा का किया शुभारंभ

सहकारी बैंक खुलने से 77 गांवो के 21,000 से अधिक किसानों को मिलेगा लाभ

सहकार से समृद्धि का सपना होगा साकार : मंत्री कश्यप

नवागढ़ के बदनारा, कन्हेरा, सत्था और गोड़गिरी में आज से संचालित होंगे सहकारी बैंक

रायपुर (विश्व परिवार)। सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप और खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने आज बदनारा में आयोजित कार्यक्रम में बेमेतरा जिले में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग की 4 नवीन शाखा का शुभारंभ किया। बैंक की यह शाखा नवागढ़ के बदनारा, कन्हेरा, सत्था, गोड़गिरी में संचालित होंगी। इन बैंको के खुलने से अब तेजी के साथ सहकारिता से समृद्धि का सपना साकार होगा। इससे क्षेत्र के 77 गांवों के 21 हजार किसानों को लाभ मिलेगा। इसके अंतर्गत लगभग 24 हजार खातेदारों की संख्या समाहित है। मंत्रीद्वय ने इस मौके पर तीन किसानों को एटीएम कार्ड प्रदान किया।

गौरतलब है कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के आव्हान पर राज्य सरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सहकारिता को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से जमीनी स्तर पर सहकारिता की पहुंच बनाने का कार्य कराया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग की 4 नवीन शाखा का शुभारंभ किया गया है। आगामी समय में सहकारी बैंक की संख्या में और वृद्धि की जाएगी जिससे लाखों किसानो को लाभ मिलेगा तथा आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा मे मजबूती मिलेगी।

मंत्री केदार कश्यप ने लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन चार बैंकों के खुलने से 77 गांवों के 21 हजार से ज्यादा किसानों को इसका सीधा फायदा होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों से सुगमतापूर्वक धान की खरीदी हो रही है। किसानों को साल भर की मेहनत का फल मिलने लगा है, सरकार की मंशा है कि किसी किसान का धान वापस नहीं जाना चाहिए। हमारी सरकार किसानों के उपज को सही दामों पर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को किसी भी तरह से भटकना न पड़े या परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। सहकारी बैंक के नवीन शाखा शुभारंभ कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए स्थानीय विधायक एवं मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार लगातार किसानों के हित में फैसला ले रही है।

आर्यिका स्वाध्याय श्री माता जी एवं चर्या श्री माता जी का शंकर नगर दिगंबर जैन मंदिर में हुआ मंगल प्रवेश

रायपुर (विश्व परिवार)। आचार्य श्री विभव सागर महाराज जी की सुशिष्या आर्यिका रत्न स्वाध्याय श्री माता जी एवं चर्या श्री माता जी का मंगल आगमन शुक्रवार शाम को शहर के शंकर नगर दिगंबर जैन मंदिर में हुआ उनके मंगल सानिध्य में प्रात: 7:30 बजे माताजी का मंगल प्रवचन, प्रात: 10 बजे आहार चर्या, दोपहर 3:30 बजे से स्वाध्याय कक्षा एवं संध्या 6:30 बजे से 7:15 बजे तक आनंद यात्रा संपन्न होगी जिसमें सभी जन उपस्थित होकर धर्म लाभ लेवे, ज्ञात है कि माताजी द्वय का चातुर्मास इस वर्ष राजिम में संपन्न हुआ था।

पंडरिया विधायक ने वार्डों में किया दौरा, जनता की समस्याओं का निराकरण करने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

भावना बोहरा ने कहा- क्षेत्र की कमियों को जानना और उन्हें दूर करने का संयुक्त प्रयास ही क्षेत्र को तरक्की एवं उन्नति की ओर ले जाता है

पंडरिया (विश्व परिवार)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा लगातार जनता के बीच पहुंचकर उनसे मुलाकात कर रही हैं वहीं विभिन्न वार्ड में जनसंपर्क के माध्यम से जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान भी कर रहीं हैं। इसके साथ ही वो भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी जनता तक सीधे पहुंचाते हुए आमजनों को उसका अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहीं हैं। शुक्रवार को पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया के वार्ड क्रमांक 13 एवं 14 में सघन जनसंपर्क कर क्षेत्रवासियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना हमारा कर्तव्य हैं, क्योंकि इसके लिए जनता ने हमें एक जनप्रतिनिधि के रूप में चुना है। ऐसे में उनसे संवाद करना और उनकी समस्याओं से अवगत होना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जनसंपर्क एवं जनसंवाद बहुत ही आवश्यक है। आज हमने पंडरिया नगर के वार्ड क्रमांक 13 एवं 14 में निवासरत जनता से मुलकात की है और उनसे प्राप्त सुझावों को अमल में लाने के साथ ही उनकी समस्याओं का समाधान भी करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। अगर हमें क्षेत्र का विकास करना है तो उसके लिए जनता के बीच जाकर वहां की समस्याओं से अवगत होना बहुत ही आवश्यक है। विकास कार्यों की गुणवत्ता, जनता की सुविधाओं का विस्तार, निर्माण कार्यों की गति जैसे बहुत से कार्य हैं जिनका निरिक्षण करने के साथ ही क्षेत्र की कमियों को जानना भी महत्वपूर्ण है और उन कमियों को दूर करने का संयुक्त प्रयास ही क्षेत्र को तरक्की एवं उन्नति की ओर ले जाता है। छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को निर्धारित करके निरंतर कार्य कर रही है। यह लक्ष्य तभी संभव हो सकता है जब हम जनता की सुविधाओं का विस्तार करें, अधोसंरचनाओं का विकास करें एवं जनहित के लिए चलाई जा रही योजनाओं का जमीनी स्तर तक क्रियान्वयन करें, जिसके लिए हमें जनता के बीच जाना होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर भारत सरकार से मिली 15,000 आवासों की स्वीकृति

आत्मसमर्पित नक्सलियों एवं नक्सल पीड़ित परिवारों को पुनर्वास नीति के तहत मिलेगा आवास : मुख्यमंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार ने आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ित परिवारों के पुनर्वास के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत 15,000 आवासों की स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले आत्मसमर्पित नक्सलियों और पीड़ित परिवारों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए यह पहल एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 15,000 आवास केवल मकान नहीं बल्कि उन परिवारों के लिए सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक हैं। हमारी सरकार इस योजना को पूरी पारदर्शिता और तत्परता के साथ लागू करेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रदेश के विकास और शांति स्थापना की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि नक्सल पीड़ित परिवारों और आत्मसमर्पित नक्सलियों को बेहतर जीवन देने के लिए हमारी सरकार संकल्पबद्ध है। पीड़ित परिवारों को आवास मिल जाने से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। यह योजना सामाजिक समरसता और विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होगी।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि इस योजना में विशेष रूप से उन परिवारों को शामिल किया जाएगा जिनका नाम सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना 2011 और आवास प्लस 2018 की सूची में शामिल नहीं था। इन नामों को 6 दिसंबर 2024 तक आवास प्लस पोर्टल पर अपलोड करने की अनुमति केंद्र सरकार द्वारा दी गई है।

जितेन्द्र जैन मेमोरियल इंटर स्कूल इंग्लिश डिबेट एंड केस स्टडी कॉम्पिटिशन

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 27 नवंबर को कांगेर वैली अकादमी में डिबेट एवं केस स्टडी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आई. ए. एस. श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी सचिव स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के मुख्य संरक्षक श्री स्वरूपचंद जी जैन एवं मार्गदर्शक श्री रतन लाल जी जैन उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम विद्यालय के चेयरमेन श्री संजय जैन, सचिव श्रीमती राखी जैन, निदेशक के. मोहंती, प्राचार्य श्री अबिजित दास, उप प्राचार्या श्रीमती सरिता नायक एवं विद्यालय के शिक्षक- शिक्षिकाओं की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ।

निर्णायक के रूप में डॉ तापस मुखर्जी विभागाध्यक्ष (अंग्रेजी) नवीन महाविद्यालय बारी दुर्ग, डॉ रविशंकर पनीकर प्राचार्य बीआईटी डिग्री कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट रायपुर, डॉ पापरी मुखोपाध्याय सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर एवं डॉ साक्षात बंसल सहायक प्राध्यापक जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल उपस्थित रहे।

केस स्टडी में कुल 12 विद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिए। जिसमें चिकित्सा पद्धति में नैतिक और कानूनी मुद्दें, पर्यावरण संरक्षण प्रयास में बच्चों की भागीदारी की भूमिका, सोशल मीडिया एल्गोरिदम कंटेंट की दृश्यता को कैसे प्रभावित करते हैं, ई कॉमर्स और लोकल उद्योग, अपराधिक न्याय प्रणाली में डी एन ए साक्ष्य का इस्तेमाल, अनुवांशिक रूप से संशोधित फसलों का प्रभाव, मानव तस्करी और चिंताजनक प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन का समाज पर प्रभाव, जंक फूड मार्केटिंग का मनोविज्ञान, तकनीकी उद्योग में स्टार्टअप से यूनिकॉर्न बनाना, भारत चीन सीमा विवाद, डिजिटल युग में डेटा गोपनीयता की भूमिका आदि विषयों पर प्रतिभागियों ने बहुत ही प्रभावशाली एवं सारगर्भित ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। वाद विवाद प्रतियोगिता का विषय 'समाज की जरूरतों को संबोधित करने को वित्तपोषण विज्ञान से अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए' रखा गया था। जिसमें 15 विद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिए।

केस स्टडी में प्रथम स्थान एन एच गोयल वर्ड स्कूल रायपुर एवं द्वितीय स्थान पर कांगेर वैली अकादमी रायपुर रहे। वहीं वाद-विवाद प्रतियोगिता में कांगेर वैली अकादमी प्रथम स्थान पर रहे। सबसे अच्छा वादी-प्रतिवादी के रूप में प्रथम स्थान पर पलक शर्मा कांगेर वैली रायपुर एवं द्वितीय स्थान पर भावेश अग्रवाल अभ्दय स्कूल कवर्धा रहे।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि महोदय के द्वारा मंच के भय के बारे में बताया गया कि सभी विद्यार्थी पूर्ण आत्मविश्वास और निर्भिक होकर अपने-अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए हैं। छात्रों को बढ़-चढ़कर कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करते हुए सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित किए हैं।

कार्यक्रम के सुचारू रूप से संपादित होने पर विद्यालय के उप प्राचार्या के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस : सर्वसमाज के बीच गूँजा छत्तीसगढ़ राज्य को 'ख' वर्ग में शामिल करने का मुद्दा

विधानसभा मार्च की बनी रणनीति

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के मौके पर 'मोर चिन्हारी छत्तीसगढ़ी' की ओर से सर्मसमाज सम्मेलन का आयोजन किया गया. इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ीभाषी राज्य का मुद्दा जोर-शोर से उठा था. साहित्यकारों ने बताया कि 2000 में मध्यप्रदेश से पृथक होने के बाद जब छत्तीसगढ़ नया राज्य बना, तो आधार तक छत्तीसगढ़ीभाषी क्षेत्र होना. लेकिन राज्य निर्माण के बाद से ही छत्तीसगढ़ी के साथ छल शुरू हो गया है. साजिश के तहत छत्तीसगढ़ को ख वर्ग की जगह से क वर्ग में शामिल करा दिया था. इसी का नुकसान आज 3 करोड़ छत्तीसगढ़ीभाषी लोगों को उठाना पड़ रहा है. सम्मेलन में छत्तीसगढ़ीभाषी राज्य के मुद्दे पर सर्वसमाज के साथ विधानसभा मार्च की रणनीति भी बनी. सम्मेलन में पहुना के रूप में विधायक चातूरी नंद सहित साहू, कुर्मी, यादव, पनिका, सेन, ठाकुर, ब्राम्हण, निषाद, चौहान आदि कई छत्तीसगढ़िया समाज के पदाधिकारी शामिल हुए. इसके साथ ही बड़ी संख्या में कवि, गीतकार, साहित्यकार, पत्रकार और कलाकार जगत के लोग भी मौजूद रहे।

विधायक चातूरी नंद ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा और रोजगार से संबंधित हर मुद्दे को विधानसभा में मैं प्रमुखता से उठाती रहूँगी. सदन के अंदर और बाहर कहीं महतारीभाषा के लिए मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध हूँ. छत्तीसगढ़ राज्य को 'ख' वर्ग शामिल कराने के अभियान में मैं हर मोर्चे पर शामिल हूँ।

छत्तीसगढ़ी राजभासा मंच के संरक्षक और संघ के पूर्व प्रचारक नंदकिशोर शुक्ल ने कहा कि 2003 के समय में जो गलती पूर्व की सरकार से हुई है अब उसे सुधारने का काम साय सरकार को करनी चाहिए. क्योंकि महतारीभाषा में पढ़ाई-लिखाई की गारंटी मोदी सरकार की है. इस गारंटी को साय सरकार पहली प्राथमिकता में पूरी करनी चाहिए. लेकिन इसके साथ-साथ साय सरकार को छत्तीसगढ़ राज्य को 'ख' वर्ग में शामिल करने का प्रस्ताव कैबिनेट में पास कर तत्काल केंद्र सरकार भेज देनी चाहिए।

साहित्यकार डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा छत्तीसगढ़ी पूरी तरह से वैज्ञानिक भाषा है. छत्तीसगढ़ को चाहे ख वर्ग में शामिल करने की बात हो या आठवीं अनुसूची में तकनीकी रूप से पूरी तरह से छत्तीसगढ़ी सक्षम भाषा है. छत्तीसगढ़ी का व्याकरण हिन्दी के व्याकरण से 30 साल पूर्व प्रकाशित हो गया था. छत्तीसगढ़ी के पास समृद्ध साहित्य भंडार और 40 से अधिक शब्दकोश है। सम्मेलन की आयोजक साहित्यकार लता राठौर ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी की अस्मिता से बढ़कर कुछ नहीं है. छत्तीसगढ़ी भाषा में प्राथमिक शिक्षा बच्चों को मिलना चाहिए. इस मांग को हम कई संगठनों के साथ आंदोलन कर रहे हैं, अभियान चला रहे हैं, जनगारण कर रहे हैं. छत्तीसगढ़ी राज्य की न सिर्फ महतारी भाषा है, बल्कि राजभाषा भी है. हमारी पहचान हमारी भाषा से हैं. ऐसे में अगर इसके लिए हमें जान भी देनी पड़ी तो हम सब आंदोलकारी देने के लिए तैयार हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354